दिल्ली एवं उत्तर प्रदेश से एक साथ प्रकाशित >>> दिल्ली >>> गाजियाबाद >>> नोएडा >>> ग्रेटर नोएडा >>> हापुड़ >>> अमरोहा >>> बागपत >>> मेरठ >>> मुजफ्फर नगर >>> बिजनौर >>> मुरादाबाद >>> बुलंदशहर >>> अलीगढ़ >>> फरीदाबाद >>> गुड़गांव >>> सोनीपत RNI-UPHIN/2009/30721

दिल्ली
अधिकतम तापमान 35 डिग्री
न्युनतम तापमान 28 डिग्री
एनसीआर
अधिकतम तापमान 35 डिग्री
न्युनतम तापमान 27 डिग्री

मंगलवार 16 सितंबर 2025
सुर्योदय प्रातः 06 :06 बजे
सूर्यास्त सांय 18 : 26 बजे

www.khabariya.com

एनसीआर टुडे

करंट न्यूज करंट व्यूज

पृष्ठ 4 अब एमएसएमई की मजबूती जरूरी

उत्तर प्रदेश और दिल्ली से एक साथ प्रकाशित | वर्षः 16 | अंक : 332 | गाजियाबाद, मंगलवार 16 सितंबर 2025 | मूल्य : ₹ 2 | पेज : 06 | विक्रमी संवत् 2081 | युगाब्द 5126 | शाक 1946

भागलपुर में ओने-पौने दाम पर किसान की जमीन अडानी को दी गई : कांग्रेस

✷ एनसीआर टुडे. नई दिल्ली ✷

कांग्रेस ने आरोप लगाया है कि प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी के नेतृत्व वाली सरकार ने बिहार के भागलपुर में किसानों की जमीन ओने पौने दाम पर ऊर्जा संयंत्र निर्माण के लिए श्री मोदी के करीबी उद्योगपति गौतम अडानी को दी है।

कांग्रेस संचार विभाग के प्रमुख पवन खेड़ा ने सोमवार को यहां संवाददाता सम्मेलन में कहा कि बिहार की भागलपुर में गौतम अडानी की ऊर्जा संयंत्र के लिए 10 लाख आम, लीची सागवान के पेड़ काटकर किसानों की 1050 एकड़ जमीन एक रुपये की लीज पर उद्योगपति अडानी को 33 साल के लिए दी गयी है।

उन्होंने कहा कि सरकार ने इस संयंत्र को लगाने का प्रश्ताव बजट में किया था लेकिन बाद में तय किया गया कि किसी निजी कंपनी को संयंत्र दिया जाए। अगश्त में इस संयंत्र के लिए बोली लगी और अब श्री मोदी के मित्र के लिए बिहार में किसानों को लूटा जा रहा है और उनकी जमीन को उनसे छीना जा रहा है।

यह जमीन श्री मोदी के मित्र को उद्योग लगाने के लिए दी जा रही है। कांग्रेस नेता ने इसे बहुत बड़ा घोटाला बताया और कहा कि बिहार चुनाव में भाजपा की हालत ठीक नहीं है इसलिए चुनाव से पहले प्रधानमंत्री के करीबी मित्र को जमीन सौंपी जा रही है। श्री खेड़ा ने कहा कि इस लूट का जबरदश्त विरोध हो रहा है।

सुप्रीम कोर्ट की चेतावनी- गड़बड़ी मिली तो SIR रद्द करेंगे

बिहार पर जो फैसला देंगे, वही पूरे देश पर लागू होगा

नई दिल्ली । सुप्रीम कोर्ट में आज यानी सोमवार को बिहार में SIR (वोटर वेरिफिकेशन) के खिलाफ दायर याचिकाओं पर सुनवाई हुई। इस दौरान याचिकाकर्ताओं की तरफ से कहा गया कि चुनाव आयोग प्रक्रिया का पालन नहीं कर रहा है। नियमों की अनदेखी हो रही है। इस पर कोर्ट ने कहा- हम यह मानकर चलेंगे कि चुनाव आयोग अपनी जिम्मेदारियों को जानता है। अगर कोई गड़बड़ी हो रही है, तो हम इसको देखेंगे। अगर बिहार में SIR के दौरान चुनाव आयोग द्वारा अपनाई गई कार्यप्रणाली में कोई अवैधता पाई जाती है, तो पूरी प्रक्रिया को रद्द किया जा सकता है।

कोर्ट ने स्पष्ट किया कि वह बिहार SIR पर टुकड़ों में राय नहीं दे सकती। उसका अंतिम फैसला केवल बिहार में ही नहीं, बल्कि पूरे भारत में SIR पर लागू होगा। मामले पर 7 अक्टूबर को अगली सुनवाई होगी।

आधार मानने वाले BLO को आयोग नोटिस भेज रहा

8 सितंबर को सुनवाई शुरू होने पर कोर्ट में कांग्रेस लीडर और सीनियर एडवोकेट कपिल सिब्बल ने कहा था- 10 जुलाई को कोर्ट ने चुनाव आयोग को आधार कार्ड स्वीकार करने को कहा। अभी भी 65 लाख लोगों के लिए भी आधार स्वीकार नहीं किए जा रहे हैं। बीएलओ को निर्देश दिया गया था कि 11 दस्तावेजों में से एक आवश्यक है। चुनाव आयोग 11 के बाहर के दस्तावेज स्वीकार करने वाले अधिकारियों को दंडित कर रहा है। आधार स्वीकार करने वाले अधिकारियों को चुनाव आयोग ने कारण बताओ नोटिस जारी किया है। इस पर कोर्ट ने नोटिस पेश करने को कहा। जिस पर चुनाव आयोग का पक्ष रख रहे वकील राकेश द्विवेदी ने कहा- ये हमारे पास नहीं है।

पूरे वक्फ कानून पर रोक नहीं, 3 बदलावों पर स्टे

सेंट्रल वक्फ बोर्ड में 4 और राज्य में 3 से ज्यादा गैर-मुस्लिम मेंबर बनाने पर रोक

नई दिल्ली। सुप्रीम कोर्ट ने वक्फ संशोधन कानून पर रोक लगाने से इनकार कर दिया है। हालांकि कोर्ट ने सोमवार को कानून में किए गए 3 बड़े बदलावों पर अंतिम फैसला आने तक स्टे लगा दिया। इनमें वक्फ बोर्ड में गैर-मुस्लिम सदस्यों की नियुक्ति का नियम शामिल है। CJI बीआर गवई और जस्टिस अगस्टीन जॉर्ज मसीह की बेंच ने कहा कि केंद्रीय वक्फ बोर्ड में गैर-मुस्लिम मेंबर्स की संख्या 4 और राज्यों के वक्फ बोर्ड में 3 से ज्यादा न हो। सरकारें कोशिश करें कि बोर्ड में नियुक्त किए जाने वाले सरकारी मेंबर्स भी मुस्लिम कम्युनिटी से ही हों। सुप्रीम कोर्ट ने इस मामले में दाखिल 5 याचिकाओं पर 20 से 22 मई तक लगातार 3 दिन सुनवाई की थी। 22 मई को फैसला सुरक्षित रख लिया था।

- **सुप्रीम कोर्ट ने कहा कि राज्य बोर्ड का CEO मुस्लिम समुदाय से ही हो**- वक्फ बोर्डों में गैर-मुस्लिमों की भागीदारी पर सुप्रीम कोर्ट ने प्रावधानों पर रोक तो नहीं लगाई, लेकिन कुछ सीमाएं तय कीं। सुप्रीम कोर्ट ने कहा कि केंद्रीय वक्फ बोर्ड में (20 में से) अधिकतम 4 और राज्य वक्फ बोर्ड में (11 में से) अधिकतम 3 गैर-मुस्लिम सदस्य ही रख सकते हैं। पहले इसमें अधिकतम सीमा तय नहीं थी।

हिमाचल में बड़ा सड़क हादसा

पिकअप गाड़ी दुर्घटनाग्रस्त, 5 की मौत

शिमला । हिमाचल प्रदेश के शिमला जिले के कोटखाई क्षेत्र में बड़ा सड़क हादसा हुआ है। हादसे में पांच लोगों की मौत हो गई। जानकारी के अनुसार कोटखाई रामनगर के खोला कैंची के पास पिकअप गाड़ी दुर्घटनाग्रस्त हुई है। प्रारंभिक जानकारी के अनुसार इस हादसे में चार लोगों की मौके पर ही मौत हो गई। जबकि एक घायल ने अस्पताल ले जाते हुए रास्ते में दम तोड़ दिया। दो घायल हैं।

मृतकों में तीन नेपाली मूल के व्यक्ति शामिल हैं। एक मृतक की पहचान जोगिंदर सिंह पुत्र बालक राम निवासी खोला गांव के रूप में हुई है। हादसे के दौरान गाड़ी में कुल सात लोग सवार थे। हादसे के कारणों का पता नहीं चल पाया है। सूचना मिलने की पुलिस मौके पर पहुंची और रेस्क्यू ऑपरेशन शुरू किया। घायलों को उपचार के

लिए नजदीकी अस्पताल भेजा गया है। शिमला रेफर एक घायल ने रास्ते में दम तोड़ दिया। शिमला जिले की नेरवा तहसील से करीब तीन किलोमीटर दूर दियालडी सड़क पर एक बोलेरो कैंपर खाई में गिर गई। इससे गाड़ी में सवार दो युवकों की मौके पर ही मौत हो गई। पुलिस ने मामला दर्ज कर हादसे के कारणों की जांच शुरू कर दी है। प्राप्त जानकारी के अनुसार हादसा शुक्रवार देर रात हुआ। बोलेरो कैंपर नंबर एचपी 08ए2578 गहरी खाई में गिर गई। स्थानीय लोगों ने हादसे की सूचना पुलिस को दी।

पुलिस ने घटनास्थल पर पहुंचकर स्थानीय लोगों के सहयोग से मृतकों को खाई से बाहर निकाला। मृतकों की पहचान प्रज्जवल तंगडाईक (28) पुत्र स्व. ओमप्रकाश तंगडाईक गांव दियालडी डाकघर व तहसील नेरवा, मनोज बनाईक (27) पुत्र केदार सिंह गांव दियालडी डाकघर व तहसील नेरवा के रूप में हुई है। शवों को पोस्टमार्टम के लिए सिविल अस्पताल नेरवा लाया गया। पोस्टमार्ट्म के बाद शव परिजनों को सौंप दिए गए हैं। एसडीएम चौपाल हेमचंद वर्मा ने कहा कि मृतकों के परिजनों को 25-25 हजार रुपये बतौर फौरी राहत प्रदान किए गए हैं।

ओडिशा में पैर नहीं छूने पर टीचर ने विद्यार्थियों को पीटा

एक का हाथ टूटा, एक बेहोश

मयूरभंज । मयूरभंज जिले के एक सरकारी उच्च प्राथमिक विद्यालय में छात्रों को शारीरिक दंड देने की घटना सामने आई है। शिक्षा विभाग ने इस मामले को गंभीरता से लेते हुए एक महिला शिक्षिका को निलंबित कर दिया है। घटना खंडाडेउला सरकारी उच्च प्राथमिक विद्यालय (बैसिंगा थाना क्षेत्र) की है। बीते गुरुवार को सहायक शिक्षिका सुकांति कर ने कक्षा 6, 7 और 8 के करीब 31 छात्रों को बांस की छड़ी से पीटा। आरोप है कि प्रार्थना सभा के बाद शिक्षक का पैर न छूने पर उन्होंने छात्रों को दंडित किया।

एक छात्र का हाथ टूटा, एक छात्रा हो गई बेहोश

पिटाई से कई बच्चों के हाथ और पीठ पर चोट के निशान आ गए। एक छात्र का हाथ टूट गया जबकि एक छात्रा बेहोश हो गई, जिसे अस्पताल ले जाना पड़ा। यह जानकारी विद्यालय प्रबंधन समिति ने जांच के बाद दी।

पीएम मोदी ने कोलकाता में कंबाइंड कमांडर्स कॉन्फ्रेंस का उद्घाटन किया

सम्मेलन में देश की सुरक्षा पर चर्चा हुई

कोलकाता। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने सोमवार को कोलकाता में 16वीं कंबाइंड कमांडर्स कॉन्फ्रेंस (CCC) का उद्घाटन किया। कॉन्फ्रेंस सेना की पूर्वी कमान के हेडक्वार्टर फोर्ट विलियम कोलकाता में 15 से 17 सितंबर तक होगा। इस साल की थीम- 'ईयर ऑफ रिफॉर्म्स - भविष्य के लिए ट्रांसफॉर्मेशन' है।

इस साल कॉन्फ्रेंस का 16वां संस्करण है। यह सेना का सबसे बड़ा विचार-विमर्श का मंच है। इसमें सेना के अधिकारी और सरकार के मंत्री देश की सुरक्षा और रणनीति पर चर्चा करते हैं। तीनों सेनाओं के प्रमुख इसमें शामिल हुए।

रक्षा मंत्री राजनाथ सिंह, NSA अजित डोभाल, CDS जनरल अनिल चौहान और मंत्रालयों के सीनियर अधिकारी कॉन्फ्रेंस में शामिल होंगे।

वित्त मंत्रालय के डिप्टी सेक्रेटरी को बीएमडब्ल्यू ने टक्कर मारी

- अस्पताल में मौत, पत्नी की हालत गंभीर; कार महिला चला रही थी

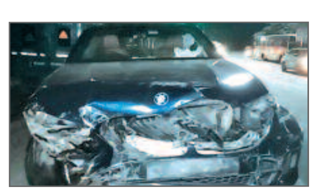

नई दिल्ली । नई दिल्ली में छावनी मेट्रो स्टेशन के पास बीएमडब्ल्यू कार की टक्कर में वित्त मंत्रालय के अधिकारी की मौत हो गई। अधिकारी की पहचान वित्त मंत्रालय के आर्थिक मामलों के विभाग में डिप्टी सेक्रेटरी नवजोत सिंह के रूप में हुई है। नवजोत अपनी पत्नी के साथ बाइक से जा रहे थे। तभी कार ने पीछे से टक्कर मार दी। कार सवार महिला ने नवजोत और उनकी पत्नी को अस्पताल पहुंचाया। जहां नवजोत की मौत हो गई, पत्नी की गंभीर हालत है। सूत्रों के अनुसार, नवजोत और उनकी पत्नी को पास के किसी अस्पताल में भर्ती कराने के बजाय, हादसे वाली जगह से लगभग 17 किलोमीटर दूर जीटीबी नगर के न्यूलाइफ अस्पताल ले जाया गया।

पूर्व मुख्य निर्वाचन आयुक्त बोले- राहुल के आरोपों की जांच हो

नई दिल्ली। पूर्व मुख्य निर्वाचन आयुक्त एसवाई कुरैशी ने रविवार को चुनाव आयोग की तीखी आलोचना करते हुए कहा कि आयोग को कांग्रेस नेता और लोकसभा में नेता प्रतिपक्ष राहुल

इलेक्शन कमीशन अपमान कर रहा

गांधी के 'वोट चोरी' संबंधी आरोपों की जांच करवानी चाहिए थी, न कि उनके खिलाफ 'आपत्तिजनक और अपमानजनक' भाषा का इस्तेमाल करना चाहिए था।

कुरैशी ने PTI को दिए इंटरव्यू में कहा कि राहुल ने आरोप लगाते समय कई राजनीतिक शब्दों का इस्तेमाल किया था जैसे 'हाइड्रोजन बम' लेकिन यह महज 'राजनीतिक बयानबाजी' है। इसके बावजूद उन्होंने जो गंभीर शिकायतें उठाई हैं, उनकी विस्तार से जांच होनी चाहिए थी।

कुरैशी ने बिहार में मतदाता सूची के स्पेशल इंटेंसिव रिवीजन (SIR) की प्रक्रिया की आलोचना करते हुए कहा कि इससे आयोग ने 'भानुमती का पिटारा' खोल दिया है और 'मधुमक्खी के छत्ते' में हाथ डाल दिया है, जिससे खुद संस्था की साख को नुकसान होगा।

राहुल गांधी बाढ़ प्रभावित क्षेत्रों का दौरा करने के लिए अमृतसर पहुंचे

✷ वेबवार्ता. अमृतसर ✷

पंजाब में बाढ़ प्रभावित क्षेत्रों का दौरा करने के लिए कांग्रेस के पूर्व अध्यक्ष राहुल गांधी सोमवार को अमृतसर पहुंचे और वह अमृतसर एयरपोर्ट से अजनाला के लिए रवाना हो गए हैं। यहां वह बाढ़ प्रभावित लोगों से मुलाकात करेंगे।

श्री गांधी गुरुद्वारा बाबा बुड्ढा साहिब जी, रामदास, अजनाला में मत्था टेकेंगे । इसके पश्चात सुबह 11:45 बजेः गुरचक, डेरा बाबा नानक, गुरदासपुर में किसानों के साथ बातचीत करेंगे। अपराह्न 1:45 बजे बाढ़ प्रभावित गांवों का दौरा करेंगे और मकोरा, दीना नगर, गुरदासपुर में स्थानीय समुदाय के साथ बातचीत करेंगे। कांग्रेस नेता का पंजाब में आई बाढ़ के बाद यह पहला दौरा हैं। गुरुद्वारा में श्री गांधी सेवा कर रहे संगत से बातचीत करेंगे और पीड़ित परिवारों की परेशानियों को सुनेंगे। इसके साथ ही वह राहत कार्यों की समीक्षा करेंगे और स्थानीय प्रशासन एवं संगठनों से मिलकर राहत सामग्री तथा पुनर्वास कार्यों की स्थिति पर चर्चा करेंगे।

इसके बाद श्री गांधी गुरदासपुर जाएंगे, जहां वे बाढ़ प्रभावित गांवों का दौरा करेंगे। वे स्थानीय लोगों और किसानों से सीधे संवाद कर जानेंगे कि उन्हें किस प्रकार की मदद की सबसे ज्यादा जरूरत है। इसके बाद कांग्रेस नेता गुरदासपुर में दीना नगर जाएंगे जहां ग्रामीणों से संवाद करेंगे। दौरे के बाद राहुल गांधी शाम तक दिल्ली लौट जाएंगे।

श्री गांधी जिस गाड़ी में सवार हैं उसे खुद पंजाब कांग्रेस के प्रधान अमरिंदर सिंह राजा वड़िंग चला रहे हैं। इसके अलावा विधानसभा में विपक्ष के नेता प्रताप सिंह बाजवा भी मौजूद हैं। श्री गांधी पठानकोट भी जाएंगे। उल्लेखनीय है कि बाढ़ से 23 जिलों के 2097 गांव प्रभावित हुए। लगभग एक लाख 91 हजार 926 हेक्टेयर में फसलें बाढ के पानी में डूब गईं और 15 जिलों में 52 लोगों की मौत हो गयी है। श्री गांधी के दौरे से पहले प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने भी पंजाब का दौरा किया था। उन्होंने हालात को देखते हुए राज्य को 1600 करोड़ रुपए देने का एलान किया था। जिसे मान सरकार ने नाकाफी बताया था।

राज्य सरकार ने इसे आपदा घोषित किया हुआ है। सरकार ने किसानों को फसलों के नुकसान पर 20 हजार प्रति एकड़ देने का एलान किया है। साथ ही मृतकों के परिवारों को चार-चार लाख रुपए दिए जाएंगे। जो रेत खेतों में बहकर आई है, उसे किसानों को उठाने की मंजूरी दी है। बारिश और बाढ़ से हुए हुए नुकसान के आधार पर राज्य सरकार ने केंद्र से 20 हजार करोड़ के राहत पैकेज की मांग की थी। इसके अलावा रुके हुए 60 हजार करोड़ रुपए तुरंत जारी करने की मांग भी की थी। मुख्यमंत्री भगवंत मान ने वर्तमान हालात पर चिंता जताते हुए प्रधानमंत्री मोदी को पत्र भी लिखा था।

अपने सात घंटे के दौरे के बाद श्री गांधी सीधे पठानकोट एयरपोर्ट से विशेष विमान से दिल्ली रवाना हो जाएंगे। वह पड़ोसी कांग्रेस शासित राज्य हिमाचल प्रदेश नहीं जाएंगे।

संक्षिप्त समाचार

यूपी में अब नहीं चलेगी कुत्तों की आवारागर्दी, दो बार काटा तो मिलेगी उम्र कैद

प्रयागराज, एजेंसी। उत्तर प्रदेश के प्रयागराज में कोई भी आवारा कुत्ता लोगों को दो बार काटता है तो उसे उम्रकैद की सजा मिलेगी। पढ़ने में यह अजीब लग सकता है, लेकिन सच है। प्रदेश सरकार ने कुत्तों के हमले से लोगों को हो रही परेशानी को देखते हुए प्रमुख सचिव नगर विकास अमृत अभिजात ने प्रदेश के सभी नगर निकायों को नया आदेश जारी किया है। इसमें हमलावर कुत्तों को अनूठी सजा का प्रावधान किया गया है। आदेश के अनुसार पहली बार किसी को काटने पर कुत्ते को 10 दिन की सजा होगी। उम्रकैद और 10 दिन की सजा के दौरान कटखने कुत्ते को एनिमल बर्थ कंट्रोल (एबीसी) सेंटर में रखा जाएगा। कुत्तों को सजा देने के मामले में कुछ शर्तें भी रखी गई हैं। इसके लिए पीड़ित व्यक्ति को सरकारी अस्पताल में इलाज का प्रमाण देना होगा। इसकी जानकारी होने पर नगर निगम के पशुधन विभाग की टीम कटखने कुत्ते को पकड़कर एबीसी सेंटर ले जाएगी। सेंटर पर इलाज के साथ कुत्ते को निगरानी में रखा जाएगा। 10 दिन बाद सेंटर से छोड़े जाने के पहले कुत्ते के शरीर पर माइक्रोचिप लगाई जाएगी। माइक्रोचिप के जरिए ही कुत्ते के व्यवहार पर निगरानी की जाएगी।

फेलिसिटी थिएटर भोपालमें हमारे राम प्रस्तुत करता है

भोपाल। भोपाल भारत की अग्रणी थिएटर कंपनी, फेलिसिटी थिएटर द्वारा इस महाकाव्यात्मक हमारे राम की नाट्य प्रस्तुति सगर्व आपके समक्ष प्रस्तुत की जा रही है। गौरव भारद्वाज द्वारा निर्देशित इस महान कृति में रामायण के कुछ ऐसे अभूतपूर्व दृश्य दिखाए गए हैं, जिन्हें इससे पहले कभी किसी मंच पर नहीं दिखाया गया। बॉलीवुड के प्रमुख दिग्गज आशुतोष राणा ने रावण की प्रतिष्ठित भूमिका निभाई है भगवान राम की भूमिका में दिखाई देंगे प्रशंसित अभिनेता राहुल आर भूचर भगवान हनुमान की भूमिका में दानिश अख्तर, तरूण खन्ना भगवान शिवकी भूमिका में हरलीन कौर रेखी ने माता सीता की, और करण शर्मा सूर्य देव की भूमिका में दिखाई देंगे। इस समूह में थिएटर की दुनिया केअन्य अनुभवी कलाकार भी शामिल हैं।

प्रशांत किशोर की सभा से पहले भाई से हाथापाई, कुर्सी फेंकते निकल गए मनीष कश्यप

पटना, एजेंसी। बिहार के पश्चिम चंपारण जिले की चनपटिया विधानसभा सीट से 2020 में निर्दलीय लड़कर हारे चर्चित यूट्यूबर मनीष कश्यप 2025 में जन सुराज पार्टी से चुनाव लड़ने की तैयारी में हैं। भाजपा छोड़कर जन सुराज में शामिल हुए कश्यप की टिकट को लेकर राज किशोर चौधरी से तकरार चल रही है, जो गुरुवार को प्रशांत किशोर की जनसभा से पहले खुलकर सामने आ गई। सभा के पंडाल में पोस्टर लगाने को लेकर मनीष के भाई करण कश्यप और चौधरी के समर्थकों में बहस हाथापाई में बदल गई। इससे गुस्साए मनीष कश्यप का पंडाल से कुर्सी फेंककर तमतमाते हुए निकलने का एक वीडियो वायरल है। वीडियो की पुष्टि लाइव हिन्दुस्तान नहीं करता है। (वायरल वीडियो खबर के अंत में नीचे है)

गुरुवार को चनपटिया के कुड़ियाकोठी खेल मैदान में प्रशांत किशोर की जनसभा हुई थी। इससे पहले दोपहर करीब 12 बजे मनीष कश्यप और जन सुराज पार्टी के युवा जिलाध्यक्ष राज किशोर चौधरी के समर्थक पोस्टर-बैनर लगाने को लेकर आपस में ही भिड़ गए। वायरल वीडियो में दोनों के समर्थक आपस में उलझते और हाथापाई करते दिख रहे हैं।

इस बात की खबर मिलने पर मनीष कश्यप भी वहां पहुंच गए और अपने समर्थकों को पोस्टर लगाने को कहा। इसके बाद राज किशोर चौधरी के समर्थकों और कश्यप के बीच कहासुनी होने लगी। तब मनीष कश्यप गुस्से से तिलमिलाते हुए कुर्सी फेंक सभा स्थल से निकले और गाड़ी में बैठकर चले गए। उसके बाद करण कश्यप भी चले गए।

कोटा पर कलह ने बढ़ाईं सीएम फडणवीस की मुश्किलें

ओबीसी , आदिवासी और बंजारा संगठन जीआर वापसी की कर रहे मांग

पुणे/ मुंबई, एजेंसी। मराठा कार्यकर्ता मनोज जरांगे पाटिल के हालिया अनशन के बाद मराठों को आरक्षण देने के मकसद से महाराष्ट्र सरकार द्वारा जारी सरकारी आदेश (जीआर) पर राज्य की राजनीति और राजनीतिक माहौल गरमाया हुआ है। एक तरफ राज्य के ओबीसी, एससी और एसटी समूहों ने मराठा आरक्षण के लिए हैदराबाद गजट पर सरकारी आदेश जारी करने पर चिंता व्यक्त की है, तो दूसरी तरफ मुख्यमंत्री देवेंद्र फडणवीस ने कहा है कि मराठा कोटा से संबंधित सरकारी आदेश ओबीसी के अधिकारों को प्रभावित नहीं करेगा। उन्होंने यह भी संकेत दिए हैं कि यह लड़ाई इतनी जल्दी खत्म नहीं होने वाली। लगे हाथ सीएम फडणवीस ने लोगों को इस मामले में अतिवादी राजनीति से आगाह किया है।

इस महीने की शुरुआत में जारी जीआर पर विवादों के बीच मराठा और ओबीसी समुदायों में संघर्ष बढ़ने के खतरों के बीच, एनसीपी संस्थापक शरद पवार ने फडणवीस सरकार पर सामाजिक ताने-बाने को कमजोर करने और समाज में खाई चौड़ा करने की कोशिश करने का आरोप लगाया था। हालांकि, मराठा आरक्षण के संवेदनशील मुद्दे पर बढ़ती खाई को मुख्यमंत्री फडणवीस ने भी स्वीकार किया और रविवार को दोनों समुदायों के नेताओं से इस मुद्दे के बारे में लोगों के सामने सही तथ्य प्रस्तुत करने की अपील की।

जीआर से ओबीसी के अधिकार प्रभावित नहीं होंगे: फडणवीस

फडणवीस ने कहा है कि मराठा कोटा के संबंध में जारी सरकारी आदेश (जीआर) से अन्य पिछड़ा वर्ग (ओबीसी) के अधिकार प्रभावित नहीं होंगे और इस वर्ग के लिए निर्धारित लाभ 'फर्जी' व्यक्तियों को नहीं मिलने दिया जाएगा। फडणवीस ने कहा कि महाराष्ट्र सरकार ओबीसी और मराठों सहित सभी समुदायों के कल्याण के लिए प्रतिबद्ध है। उन्होंने विपक्ष पर 'जरूरत से ज्यादा राजनीति' करने और भय पैदा करने का आरोप लगाया। उन्होंने कहा, इस मुद्दे पर अतिवादी राजनीति हो रही है और ऐसा माहौल बनाया जा रहा है कि ओबीसी आरक्षण खत्म हो गया है। इससे ओबीसी छात्रों की मानसिकता प्रभावित हो रही है।

ओबीसी , आदिवासी और बंजारा संगठन जीआर वापसी की कर रहे मांग :बता दें कि सरकारी आदेश जारी करने के कुछ हफ्ते बाद, कई ओबीसी, आदिवासी और बंजारा संगठनों ने सरकार से इस आदेश को वापस लेने की मांग करते हुए विरोध प्रदर्शन की चेतावनी दी है। विभिन्न जाति समूहों ने तर्क दिया है कि मराठा समुदाय के सदस्यों को ओबीसी कुनबी जाति प्रमाण पत्र प्राप्त करने की अनुमति देने के लिए हैदराबाद राजपत्र के कार्यान्वयन से अनुसूचित जाति, अनुसूचित जनजाति और अन्य पिछड़ा वर्ग पर गहरा प्रभाव पड़ेगा।

अब बंजारों की अनिश्चितकालीन भूख हड़ताल :इस बीच, बंजारा संगठन गोर सेना के अध्यक्ष संदेश चव्हाण ने कहा, हमें अनुसूचित जनजाति के रूप में चिन्हित किया गया था और हैदराबाद में हमें आरक्षण प्राप्त है। हम चाहते हैं कि हमारे समान अधिकार यहां भी बहाल हों। चव्हाण ने यह भी दावा किया कि धाराशिव के 32 वर्षीय बंजारा स्नातक ने शनिवार को आरक्षण की मांग करते हुए आत्महत्या कर ली, जिसने अनुसूचित जनजाति आरक्षण की मांग करते हुए एक नोट छोड़ा था। बड़ी बात यह भी है कि 11 सितंबर से ही बंजारा समुदाय के लोग जालना कलेक्टर कार्यालय के बाहर अनिश्चितकालीन भूख हड़ताल पर बैठे हैं, जबकि इस समुदाय के वरिष्ठ नेता हरिभाऊ राठौड़ ने सोमवार को जालना और बीड में मोर्चा निकालने की घोषणा की है।

आदिवासी कर रहे बंजारा समुदाय की मांग का विरोध :दूसरी तरफ, आदिवासी संगठनों ने बंजारा समुदाय की इस मांग का विरोध किया है और दावा किया है कि बंजारा समुदाय को विमुक्त जाति और घुमंतू जनजाति (वीजेएनटी) श्रेणी के तहत पहले से ही 3 फीसदी कोटा का लाभ मिल रहा है। वहीं विरोध का एक और मोर्चा कोलते हुए ओबीसी कार्यकर्ता नवनाथ वाघमारे और सतसुंग मुंधे ने चेतावनी दी है कि कोटा बढ़ाने से अन्य पिछड़ा वर्ग श्रेणी में पहले से सूचीबद्ध 374 जातियों के अधिकारों को खतरा होगा। ओबीसी नेताओं ने 10 अक्टूबर को नागपुर में एक विशाल मोर्चा निकालने का संकल्प लिया है।

एक भी फर्जी व्यक्ति को ओबीसी में जगह नहीं

इन सबके बीच, रविवार को पुणे टेक्नोलॉजिकल यूनिवर्सिटी के कॉलेज ऑफ इंजीनियरिंग में पत्रकारों से बात करते हुए, मुख्यमंत्री ने कहा, ''मराठा आरक्षण के संबंध में जारी सरकारी आदेश ओबीसी के अधिकारों को प्रभावित नहीं करेगा। एक भी फर्जी व्यक्ति को ओबीसी श्रेणी में शामिल नहीं किया जाएगा। फर्जी का मतलब उन लोगों से है जो ओबीसी नहीं हैं। जीआर में ऐसी सावधानी बरती गई है।''

ओबीसी के लिए एक अलग विभाग बनाया

जीआर पर विपक्ष के आरोपों का जवाब देते हुए, फडणवीस ने कहा कि 2014 से ओबीसी कल्याण से जुड़े सभी फैसले उनकी सरकार ने लिए हैं। फडणवीस ने कहा, ''हमने (भाजपा ने) ओबीसी के लिए एक अलग विभाग बनाया। हम ओबीसी के लिए विभिन्न योजनाएं लेकर आए, ओबीसी के लिए महा ज्योति स्थापित की और सबसे महत्वपूर्ण बात, पिछली सरकार के कार्यकाल में गंवाया गया 27 प्रतिशत ओबीसी कोटा बहाल किया। इसलिए ओबीसी जानते हैं कि उनके कल्याण की चिंता किसे है।''

मराठों और ओबीसी के बीच दरार कम नहीं होगी

मराठों और ओबीसी के बीच बढ़ती दरार पर मुख्यमंत्री ने कहा कि यह कम नहीं होगी, जब तक कि दोनों समुदायों के नेता लोगों को इस मुद्दे के बारे में सही तथ्य नहीं बताते। उन्होंने कहा, ''मैं कहना चाहूंगा कि केवल उन्हीं लोगों को प्रमाण पत्र दिए जाएंगे जिनके पास कुनबी होने का रिकॉर्ड है। ऐसे रिकॉर्ड के बिना किसी को भी प्रमाण पत्र नहीं मिलेगा। इसलिए ओबीसी को चिंतित होने की आवश्यकता नहीं है। इस मुद्दे पर जरूरत से ज्यादा राजनीति हो रही है और ऐसा माहौल बनाया जा रहा है कि ओबीसी आरक्षण समाप्त हो गया है। इससे ओबीसी छात्रों की सोच प्रभावित हो रही है।''

महिला की मौत पर बोला सुप्रीम कोर्ट– ठीक नहीं हुआ मरीज तो हर बार डॉक्टर नहीं जिम्मेदार

नई दिल्ली, एजेंसी। सुप्रीम कोर्ट ने कहा है कि अगर कोई मरीज ठीक नहीं होता है तो इसके लिए हर बार डॉक्टर को ही लापरवाही का जिम्मेदार नहीं माना जा सकता है। जस्टिस संजय कुमार और सतीश चंद्र शर्मा की बेंच ने कहा कि अगर किसी फिजीशियन के इलाज से मनचाहा परिणाम नहीं मिल रहा है या फिर सर्जरी फेल हो जाती है, केवल इसी बुनियाद पर डॉक्टर को जिम्मेदार नहीं ठहराया जा सकता है। कोर्ट ने कहा कि जब तक कोई पुख्ता कारण ना हो डॉक्टर पर लापरवाही के आरोप बेबुनियाद ही हैं। बच्चे को जन्म देते वक्त एक महिला की मौत के मामले में सुप्रीम कोर्ट ने यह टिप्पणी की है। कोर्ट ने कहा, मार्टिन एफ डिसूजा बनाम मोहम्मद इशफाक केस में भी यही कहा गया था कि कोई भी जिम्मेदार प्रोफेशनल कभी नहीं चाहेगा कि उसके मरीज को नुकसान हो और उसकी खुद की छवि खराब हो। हालांकि कई बार प्रयास के बाद भी इलाज फेल हो जाता है और डॉक्टर या फिर सर्जन पर लापरवाही का आरोप लगता है। लेकिन जब तक लापरवाही के पुख्ता सबूत ना हों, ये आरोपी बेबुनियाद ही कहे जाएंगे।

कोर्ट ने यह भी कहा कि मेडिकल प्रोफेशन कमर्शलाइज होने की वजह से बहुत सारे डॉक्टर अपनी शपथ को भूल जाते हैं और पैसा बनाने के लिए मरीजों को परेशान करते हैं। हालांकि इसके लिए सभी डॉक्टरों को दोषी नहीं ठहराया जा सकता। कोर्ट ने नेशनल कंज्यूमर डिस्प्यूट रिड्रेसल कमीशन के आदेश को खारिज कर दिया। शिकायत में कहा गया था कि नर्सिंग होम में डिलिवरी कराने के लिहाज से सुविधाओं और उपकरणों की कमी थी।

बता दें कि राष्ट्रीय उपभोक्ता विवाद निवारण आयोग के आदेश में डॉक्टर को उन आधारों पर दोषी पाया गया था जिसका जिक्र शिकायतकर्ता ने नहीं किया था। एनसीडीआरसी ने 2012 में फैसला सुनाया था। 2005 में बच्चे के जन्म के बाद एक मरीज चरणप्रीत कौर की मौत हो गई थी।

बाढ़ के बाद अब गंदगी चुनौती, पंजाब सरकार ने गांव और शहरों में शुरू किया सफाई अभियान

चंडीगढ़, एजेंसी। पंजाब में बाढ़ के बाद अब पानी उतर रहा है तो गाद और गंदगी असली चुनौती दे रही है। पंजाब सरकार ने आज से 23 सितंबर तक पूरे राज्य में सफाई और बहाली का विशेष ड्राइव चलाया है, जो 2300 से ज्यादा गांवों और शहरी वार्डों में एक साथ शुरू हुआ है। इस महा अभियान में हर गली, हर मोहल्ले, हर वार्ड को साफ-सुथरा और पहले से बेहतर बनाने का लक्ष्य रखा गया है। जलभराव से जमा हुई गाद, सिल्ट और गंदगी को हटाने के लिए नगर निगमों, नगर परिषदों और पंचायतों को स्पष्ट आदेश दिए गए हैं। कई जिलों में 1000 से ज्यादा सफाई कर्मचारी, 200 से अधिक ट्रैक्टर-ट्रालियां, 150 जेसीबी मशीनें और सैकड़ों हेल्थ वर्कर्स इस काम में लगे हुए हैं।

हर जोन का जिम्मा एक अफसर को सौंपा :पंजाब सरकार ने हर जोन का जिम्मा एक अफसर को सौंपा गया है और उन्हें साफ निर्देश हैं कि वे रोजाना ग्राउंड पर रहें और काम पूरा कराएं। नगर निगमों में कमिश्नर और जिलों में एडीसी को विशेष जिम्मेदारी दी गई है कि कोई भी शिकायत लंबित न रहे। सरकार ने निर्देश दिया है कि हर जगह काम से पहले और बाद की तस्वीरें खींची जाएं ताकि पारदर्शिता बनी रहे। मुख्यमंत्री भगवंत मान खुद इस पूरे अभियान की लगातार मॉनिटरिंग कर रहे हैं। वे लगातार अधिकारियों से संपर्क में हैं और खुद स्थिति का जायजा ले रहे हैं। उन्होंने साफ कहा है, ये कोई औपचारिक मुहिम नहीं, ये पंजाब के हर नागरिक के घर-आंगन को फिर से खुशहाल बनाने का संघर्ष है। स्वास्थ्य विभाग द्वारा बाढ़ प्रभावित क्षेत्रों में दवा छिड़काव, साफ पानी की आपूर्ति और प्राथमिक चिकित्सा शिविर लगाए जा रहे हैं। पशुधन की संभाल के लिए किसानों को मोबाइल के ज़रिए सरकारी डॉक्टरों से सलाह मिल रही है। वेटरनरी डॉक्टरों की टीमें गांवों में तैनात हैं, जो पशुओं की जांच, इलाज और जरूरतमंदों तक दवाइयां और चारा मुफ्त में पहुंचा रही हैं। साफ पानी के लिए क्लोरीन की गोलियां दी जा रही हैं। सूबे के हर गांवों में पशुओं के लिए हरा चारा, सूखा फीड और हाई-क्वालिटी पोषण पहुंचाया जा रहा है। हर गांव में राहत कैंप लगाए जा रहे हैं, जहां पंचायतें, एनजीओ और सरकार की टीमें मिलकर पशुपालकों को राहत दे रही हैं।

नुकसान की भरपाई के लिए तेजी से सर्वे जारी

बाढ़ से हुए नुकसान की भरपाई के लिए भी तेजी से सर्वे कार्य शुरू कर दिया गया है। घरों, दुकानों, सड़कों, बिजली के खंभों, जल योजनाओं जैसी सभी सार्वजनिक व निजी संपत्तियों का आकलन इंजीनियरिंग टीमों द्वारा किया जा रहा है, ताकि सरकार हर प्रभावित व्यक्ति को जल्द से जल्द मुआवजा दे सके। राज्य के बाढ़ प्रभावित क्षेत्रों में विशेष गिरदावरी करवाई जाने के लिए कुल 2167 पटवारियों को तैनात किया गया है। टीमें गांव–गांव जाएंगी, खेतों का निरीक्षण करेंगी और फसलों व घरों के नुकसान व पशुओं की मौत के बारे में रिपोर्ट तैयार करेंगी। बाढ़ पीड़ितों को 45 दिनों के अंदर मुआवजा दिया जाएगा।

ट्रक ड्राइवर का अपहरण कर घर में छिपाया, नौकरी से निकाली गई आईएएस पूजा खेडकर पर गंभीर आरोप

मुंबई, एजेंसी। आईएएस की नौकरी से हाथ धो चुकी पूजा खेडकर नई मुसीबत में घिर गई हैं। पूजा खेडकर और उनकी मां के खिलाफ ट्रक ड्राइवर को किडनैप करके घर में छिपाने का आरोप है। बताया जा रहा है कि इस ड्राइवर का अपहरण करके यहां पर रखा गया था। यह ड्राइवर ट्रक से एक्सीडेंट करने के बाद गायब था। गौरतलब है कि पिछले साल सितंबर में केंद्र सरकार ने पूजा खेडकर को आईएएस की नौकरी से हटा दिया था।

पुलिस ने बताया कि ड्राइवर का नाम प्रहलाद कुमार है। वह एक मिक्सर ट्रक लेकर जा रहा था। नवी मुंबई में ऐरोली सिग्नल पर उसके मिक्सर ने एक कार को टक्कर मार दी। पुलिस के मुताबिक इसके बाद कार में सवार दो लोगों ने प्रहलाद कुमार को जबर्दस्ती अपनी कार में बैठा लिया। इसके बाद ये लोग उसे लेकर वहां से चले गए। मामले की जानकारी होते ही पुलिस ने कार का पता लगाना शुरू किया।

जांच में कार पूजा खेडकर के पुणे के चतुश्रृंगी स्थित घर में पाई गई। पुलिस ने यहां से अपहृत ड्राइवर को बचाया।

हालांकि इस दौरान पूजा खेडकर की मां ने पुलिस का काफी विरोध किया। पुलिस ने बताया कि पूजा की मां मनोरमा खेडकर ने पुलिस के साथ बदसलूकी की। उन्होंने दरवाजा खोलने से मना कर दिया और पुलिस के काम में बाधा पहुंचाई। इसके लिए पुलिस ने मनोरमा खेडकर को भी सम्मन भेजकर पूछताछ के लिए पुलिस के सामने उपस्थित होने के लिए कहा है। गौरतलब है कि पिछले साल भी पूजा खेड़कर की मां ने जमीनी विवाद से जुड़े एक मामले में बहस की थी और बंदूक तक लहराई थी। इसका वीडियो भी वायरल हुआ था और बाद में उन्हें गिरफ्तार भी किया गया था।

पूजा खेडकर से जुड़ा विवाद

असल में पूजा खेडकर को ओबीसी सर्टिफिकेट में फर्जीवाड़े और दिव्यांग कोटे का गलत ढंग से फायदा उठाने का दोषी पाया गया था। पूजा खेडकर के खिलाफ इस मामले में यूपीएससी ने उनके खिलाफ ऐक्शन लिया था। उनका सेलेक्शन रद्द करने के बाद यूपीएससी ने उनके ऊपर इन परीक्षाओं में शामिल होने पर आजीवन प्रतिबंध लगा दिया था। आयोग ने उन्हें परीक्षा में कई बार गलत पहचान बताने का दोषी पाया था।

भारी बारिश के बीच रास्ते में ही जवाब दे गई मुंबई मोनो रेल, बुलानी पड़ गईं दमकल की गाड़ियां

मुंबई, एजेंसी। मुंबई में भारी बारिश के बीच मोनो रेल अचानक रुक गई। तकनीकी खराबी की वजह से मोनो रेल रास्ते में ही एंटॉप हिल के पास रुक गई। इसके बाद यात्रियों में अफरा-तफरी मच गई। जानकारी के मुताबिक दमकल विभाग की टीम को सूचना दी गई। इसके बाद कम से कम 17 यात्रियों को बाहर निकाला गया और उन्हें दूसरी मोनो रेल में बैठाया गया। बता दें कि एक महीने के अंदर यह दूसरी घटना है जब मोनो रेल ने रास्ते में ही जवाब दे दिया। जानकारी के मुताबिक निकाले गए यात्रियों को चेंबूर की ओर से आ रही मोनो रेल में बैठा दिया गया। मोनो रेल कॉर्पोरेशन का कहना है कि बिजली सप्लाई में समस्या की वजह से दिक्कत हुई थी। हालांकि कारणों की जांच की जा रही है। वहीं लोगों का कहना है कि मोनो रेल में इस तरह की समस्या बार-बार हो रही है। ऐसे में इसके स्थायी समाधान की जरूरत है।

सीढ़ी लगाकर निकाले गए थे यात्री–इससे पहले 27 अगस्त को मोनो रेल में खराबी की वजह से सैकड़ों यात्री फंस गए थे। इसके बाद मामले में चूक के आरोप में दो अधिकारियों को निलंबित कर दिया गया था। मैसूर कॉलोनी और भक्ति पार्क के

बीच फंसी एक मोनोरेल से 'स्नोर्कल' सीढ़ी लगाकर 582 यात्रियों को बचाया गया था। वहीं, एक अन्य मोनोरेल को सफलतापूर्वक वापस खींचकर वडाला स्टेशन ले जाने के बाद 200 यात्रियों को निकाला गया था।

अगस्त में भी एक बार यात्रियों की संख्या ज्यादा होने की वजह से मोनो रेल को रोक दिया गया था। बाद में बताया गया कि यह किसी खराबी की वजह से नहीं बल्कि लोड ज्यादा होने की वजह से किया गया। इससे पहले भी एक बार ऐसा हुआ था कि एलिवेटेड ट्रैक पर दो मोनो रेल को रोकना पड़ा और फिर यात्रियों को निकालने के लिए दमकल की गाड़ियां बुलवानी पड़ीं।

सिद्धारमैया के दांव से कर्नाटक में नया बवंडर, लिंगायत समुदाय हिन्दू या अलग धर्म?

बेंगलुरु, एजेंसी। कर्नाटक के मुख्यमंत्री सिद्धारमैया ने आगामी 22 सितंबर से राज्य में जातीय जनगणना कराने का फैसला लिया है लेकिन उनका यह फैसला उनकी पार्टी के लिए मुसीबत बनती जा रही है क्योंकि राज्य के प्रभावशाली लिंगायत समुदाय के लिए यह जनगणना उनकी धार्मिक पहचान के लिए एक बड़ी लड़ाई बन चुकी है। वैसे तो लिंगायत समुदाय जाति सर्वेक्षण में भाग लेने के लिए तैयार है लेकिन समुदाय में इस बात को लेकर मतभेद है कि जाति गणना के सर्वे में लिंगायत समुदाय के सदस्यों को अपनी धार्मिक पहचान वीरशैव-लिंगायत के रूप में दर्ज करानी चाहिए या हिंदू के रूप में।

सिद्धारमैया सरकार में वन मंत्री ईश्वर खांड्रे ने हाल ही में वीरशैव-लिंगायत महासभा की ओर से बोलते हुए कहा कि समुदाय के सदस्यों को धर्म वाले कॉलम में अन्य चुनना चाहिए और खुद को वीरशैव-लिंगायत के रूप में पहचान बतानी चाहिए। उन्होंने पिछले हफ्ते कहा था कि उन्हें जाति वाले कॉलम में लिंगायत या वीरशैव और तीसरे कॉलम में अपनी उपजाति लिखनी होगी।

वन मंत्री पर भड़की भाजपा

विपक्षी भाजपा के लिंगायत नेताओं ने उनके इस सुझाव की निंदा की है और इसे कांग्रेस पार्टी की हिंदू वोटों को विभाजित करने और भाजपा के आधार को कमज़ोर करने के लिए जाति सर्वेक्षण का इस्तेमाल करने की रणनीति के रूप में देखा है। राज्य के पूर्व मुख्यमंत्री और हावेरी के भाजपा सांसद बसवराज बोम्मई ने आरोप लगाया है कि वीरशैव लिंगायत महासभा पूरी तरह से कांग्रेस के साथ जुड़ गई है। उन्होंने कहा, महासभा से मेरा अनुरोध है कि वह कानून और संविधान के अनुसार सलाह दे।

महासभा को भ्रम पैदा नहीं करना चाहिए... उन्होंने आगे कहा, महासभा को भ्रम पैदा नहीं करना चाहिए... संविधान में केवल छह धर्मों का उल्लेख है, इसलिए केवल उन्हीं धर्मों के नाम लिखे जाने चाहिए। पूर्व मुख्यमंत्री बोम्मई ने आरोप लगाया कि सिद्धारमैया जाति सर्वेक्षण का इस्तेमाल अपने राजनीतिक फायदे के लिए कर रहे हैं। प्रदेश भाजपा अध्यक्ष बी.वाई. विजयेंद्र ने भी कहा कि पार्टी का रुख स्पष्ट है। हम हिंदू हैं और चाहते हैं कि इसे हमारे धर्म के रूप में उल्लेखित किया जाए। वीरशैव-लिंगायत का धर्म के रूप में कोई उल्लेख नहीं है।

लिंगायत खुद को हिन्दू धर्म का अनुयायी नहीं मानते–बता दें कि लिंगायत खुद को हिन्दू धर्म का अनुयायी नहीं मानते हैं और एक अलग धर्म का दर्जा चाहते हैं, हालाँकि उन्हें आधिकारिक तौर पर वीरशैव लिंगायत के रूप में हिन्दू उप-जाति में वर्गीकृत किया जाता है। लिंगायत संप्रदाय महात्मा बसवण्णा द्वारा 12वीं शताब्दी में स्थापित एक शैव मत है, जो शिव को एकमात्र देवता के रूप में पूजता है, मूर्ति पूजा नहीं करता और जाति प्रथा व वेदों का खंडन करता है।

पटाखा फैक्ट्री में आग से लाखों का नुकसान, श्रमिक सुरक्षित बाहर निकाले

✷ **एनसीआर टुडे. नहटौर** ✷। पटाखा फैक्ट्री में आग लगने से हड़कंप मच गया। कर्मचारियों ने आनन-फानन में पानी व फायर सिलेंडर से आग पर काबू पाया। आग लगने से अधबने पटाखे जल गए। प्राप्त समाचार के अनुसार करीब 12 बजे अचानक नहटौर के नूरपुर मार्ग पर गांव आंकू में स्थित पटाखा फैक्ट्री में आग लग गई। बताया जाता है कि अधबने हुए पटाखे के पैकेट में अचानक आग लग गई। काम कर रहे श्रमिक सुरक्षित फैक्ट्री से बाहर निकल गए। फैक्ट्री में कर्मचारियों ने फायर सेफ्टी सिलेंडर व पानी से आग को बुझा दिया। सूचना पर फायर ब्रिगेड व स्थानीय पुलिस भी मौके पर पहुंची। थानाध्यक्ष धीरज नागर का कहना है कि मौके का मुआयना किया है। कोई जनहानि नहीं होना बताया गया है। सीओ अभय कुमार पांडेय ने भी मौके पर पहुंचकर मुआयना किया है।

इशरत अंसारी बने सपा के नूरपुर विधानसभा अध्यक्ष (अल्पसंख्यक)

✷ **एनसीआर टुडे. नुरपूर** ✷। समाजवादी पार्टी ने संगठनात्मक विश्तार को लेकर बड़ा कदम उठाते हुए इशरत अंसारी को नूरपुर विधानसभा का अल्पसंख्यक अध्यक्ष नियुक्त किया है। जिला अध्यक्ष शेख जाकिर हुसैन और जिला महासचिव धनंजय यादव ने उन्हें नियुक्ति पत्र सौंपा। पार्टी की ओर से जारी इस नियुक्ति के बाद कार्यकर्ताओं और समर्थकों में उत्साह का माहौल है। सभी ने इशरत अंसारी को बधाई देते हुए कहा कि उनकी सक्रियता और जुझारू स्वभाव से संगठन को और मजबूती मिलेगी। इशरत अंसारी की नियुक्ति पर पार्टी नेताओं ने विश्वास जताया कि वे समाजवादी पार्टी की नीतियों और विचारधारा को जन-जन तक पहुँचाने के साथ-साथ अल्पसंख्यक समाज की आवाज़ को मजबूती से उठाने का कार्य करेंगे। समर्थकों ने उनके उज्ज्वल भविष्य और सफल कार्यकाल की कामना करते हुए खुशी जाहिर की।

जिम में चाचा-भतीजा के साथ मारपीट

✷ **एनसीआर टुडे. गाजियाबाद** ✷। लोनी के ट्रोनिका सिटी थाना क्षेत्र के पाबी सादकपुर गांव निवासी नसीम का चचेरा भाई अहसान और भतीजा आरिज लोनी बॉर्डर थाना क्षेत्र की आर्य नगर कॉलोनी स्थित जिम में व्यायाम करने जाते हैं। शनिवार सुबह सात बजे शानु, अमान, सलीम और रिंकू से व्यायाम करने को लेकर कहासुनी हो गई। गाली-गलौज के विरोध पर चारों ने उनके साथ मारपीट की। एसीपी अंकुर विहार ज्ञान प्रकाश राय ने बताया कि शिकायत पर रिपोर्ट दर्ज कर ली है, जांच की जा रही है।

मिलावट रोकने के लिए चार टीम बनीं

✷ **एनसीआर टुडे. गाजियाबाद** ✷। नवरात्र पर कुट्टू के आटे की बिक्री बढ़ जाती है। इसका फायदा उठाकर कुछ लोग मिलावट शुरू कर देते हैं। इसे रोकने के लिए चार टीमों का गठन किया गया है। खाद्य सुरक्षा विभाग ने कुट्टू का नकली आटा की बिक्री पर रोक लगाने और मिलावटखोरों पर नकेल कसने के लिए विशेष अभियान शुरू किया है। इसके लिए चार टीमों का गठन किया है, जो जनपद के अलग-अलग हिस्सों में दुकान संचालकों के साथ आटा चक्कियों पर कुट्टू के आटे के नमूने लेंगी। नमूने प्रयोगशाला भेजे जाएंगे। वहां की रिपोर्ट के आधार पर संबंधित के खिलाफ कार्रवाई की जाएगी। जिला अभिहित अधिकारी अरविंद कुमार यादव ने बताया कि नवरात्र 22 सितंबर से शुरू होकर दो अक्तूबर तक चलेंगे। नवरात्र के दौरान उपवास रखने वाले लोग कुट्टू का आटा खरीदते हैं। बढ़ती मांग को देखते हुए मिलावटखोर नकली या मिलावटी कुट्टू बेचकर लोगों के स्वास्थ्य से खिलवाड़ करते हैं। इसी खतरे को ध्यान में रखते हुए अभियान शुरू किया गया है। मिलावटी आटा मिलने पर संचालकों को खिलाफ कड़ी कार्रवाई की जाएगी। उन्होंने बताया कि इसके अलावा अन्य खाद्य पदार्थों पर भी नजर रहेगी।

घरेलू सहायक पर सोने के आभूषण चोरी करने का आरोप

✷ **एनसीआर टुडे. गाजियाबाद** ✷। इंदिरापुरम थाना क्षेत्र में रहने वाले व्यक्ति ने घरेलू सहायक पर घर में रखे आभूषण चोरी करने का आरोप लगाया है। मामले को लेकर थाने में रिपोर्ट दर्ज करवाई गई है। पुलिस मामले की जांच कर रही है। इंदिरापुरम क्षेत्र के नीति खंड-3 में रहने वाले सुनारमिक दास के अनुसार उनके पिता डॉ. सुमन कुमार दास खजुराहो में अपने घरेलू सहायक के साथ रहते हैं। आठ सितंबर को उनके पिता घरेलू सहायक सौरभ मिश्रा उर्फ रमाशंकर के साथ उनके घर आए थे। 10 सितंबर की सुबह वह काम पर चले गए और घर पर उनके पिता और घरेलू सहायक ही थे। दोपहर में उनके पिता बाल कटवाने के लिए गए थे और जब वापस लौटे तो घरेलू सहायक घर पर नहीं था। जब वह घर पहुंचे तो उन्हें पता चला कि घर की अलमारी में रखे लाखों रुपये के आभूषण गायब हैं। सुनारिक दास के अनुसार घरेलू सहायक सौरभ मिश्रा मौके का फायदा उठाकर घर से सोने के आभूषण लेकर फरार हो गया। पुलिस ने शिकायत के आधार पर रिपोर्ट दर्ज करके मामले की जांच शुरू कर दी है।

दो लोगों के मोबाइल फोन चोरी किए

✷ **एनसीआर टुडे. गाजियाबाद** ✷। अलग-अलग स्थानों पर दो लोगों के मोबाइल फोन चोरी कर लिए गए। पीड़ितों की शिकायत पर संबंधित थाना पुलिस ने केस दर्ज कर मामले की जांच शुरू कर दी है। राजस्थान के धौलपुर निवासी अश्विनी शर्मा का कहना है कि वह दिनांक बीते 12 सितंबर की शाम करीब सात बजे आरडी कॉलेज मुरादनगर की ओर से ऑटो में बैठकर गाजियाबाद आ रहे थे। इसी दौरान दुहाई के आसपास ऑटो रुकने पर किसी अज्ञात व्यक्ति ने उनका मोबाइल फोन चोरी कर लिया। जब वह ऑटो चालक को किराया देने लगे तो घटना का पता चला, जिसके बाद उन्होंने मधुबन बापूधाम थाने में शिकायत दी। दूसरी घटना में रजापुर शास्त्रीनगर निवासी मोहम्मद आरिफ का कहना है कि बीते सितंबर की रात करीब 12 बजे से एक बजे के बीच वह परिवार के साथ घर के कमरे में सो रहे थे। इसी दौरान किसी अज्ञात व्यक्ति ने उनका मोबाइल फोन चुरा लिया। रात में जब वह उठे तो मोबाइल फोन गायब मिला। उन्होंने कविनगर थाने में शिकायत देकर कार्रवाई की मांग की। सीओ कविनगर भास्कर वर्मा का कहना है कि दोनों पीड़ितों की शिकायत के आधार पर केस दर्ज कर मामले की जांच शुरू कर दी गई है।

आदमखोर गुलदार के हमले से महिला की मौत, गुस्सा भड़का

ग्रामीणों ने डीएफओ कार्यालय पर दी दाह संस्कार की चेतावनी

✷ **एनसीआर टुडे. नजीबाबाद** ✷

दो सप्ताह में तीन बच्चों सहित एक महिला की आदमखोर गुलदार के हमले से मौत हो जाने पर ग्रामीणों का गुस्सा भड़क गया। जो शव को लेकर डीएफओ कार्यालय पर पहुंचे और बड़े अधिकारियों के ना आने पर शव का दाह संस्कार डीएफ ओ कार्यालय में ही करने की चेतावनी दे डाली। किसान यूनियन और भीम आर्मी के कार्यकर्ता भी धरना स्थल पर पहुंचे।

जानकारी के अनुसार तहसील क्षेत्र के ग्राम इस्सेपुर में मीरा देवी उम्र करीब 35 वर्ष अपने पति महेंद्र के साथ खेत में दोपहर के समय पशुओं का चारा लेने के लिए गई थी। जब वह चारा काट रही थी तो अचानक उस पर गुलदार ने हमला कर दिया। महिला की गर्दन पकड़कर उसे दूर तक घसीटता हुआ ले गया।

पति फावड़ा लेकर शोर मचाता हुआ बुलदार के पीछे दौड़ा तो अन्य ग्रामीण भी आ गए। आदमखोर गुलदार कुछ दूरी पर महिला को छोड़कर जंगलों में भाग गया। ग्रामीण महिला को समीपुर अस्पताल लेकर पहुंचे तो डॉक्टरों ने उसे मृत घोषित कर दिया।

महिला के परिजन शव को अस्पताल से सीधे डीएफ ओ कार्यालय पर लेकर पहुंचे। जहां पर पिछले चार दिनो से आदमखोर गुलदार से निजात को लेकर धरना चल रहा था।

किसान यूनियन और भीम आर्मी ने महिला के शव का दाह संस्कार डीएफओ कार्यालय में ही करने कीत,ावनी प्रशासन के हाथ-पैर फूल गये।

विरोध प्रदर्शन में खुर्शीद मंसूरी, मौसम चौधरी भी शामिल हुए, भीम आर्मी ने कल से अभियान चलाने की दी चेतावनी दी

धरना स्थल पर पहुंचे भीम आर्मी के जिला अध्यक्ष प्रशांत महासागर और सांसद प्रतिनिधि फहीम अंसारी ने चेतावनी दी है। लगातार गुलदार के हमले से मौत का सिलसलारुकने का नाम नहीं ले रहा है। सरकार की लापरवाही के चलते अधिकारी भी बेपरवाह हो गए हैं। जिनका अब इलाज किया जाना बेहद जरूरी है। भीम आर्मी के राष्ट्रीय अध्यक्षएवं सांसद चंद्रशेखर आजाद रावण के साथ जिला मुख्यालय पर भीम आर्मी की ओर से गुलदार से निजात को लेकर अभियान चलाया जाएगा।

एसएनएसएम इंटर कॉलेज में कई थानों की पुलिस फोर्स मौके पर पहुंची

डीएफओ दफ्तर में महिला के दाह संस्कार की सूचना पाकर किरतपुर, मंडावल्ली और नजीबाबाद की पुलिस फोर्स को मौके पर बुलाया गया।

एसडीएम नजीबाबाद शैलेंद्र सिंह, सीओ निलेश प्रताप सिंह, तहसीलदार नजीबाचाद भी मौके पर पहुंचे। जिन्होंने लोगों को समझाने का प्रयास किया लेकिनकिसान नेता और भीम आर्मी के कार्यकर्ता वन विभाग और डीएफओ को ही खारी-खरी सुनाने लगे और बड़े अधिकारियों को मौके पर बुलाने की मांग करने लगे।

कई घंटे डीएफओ दफ्तर पर रखा रहा महिला का शव

किसान यूनियन और भीम आर्मी के कार्यकर्ता महिला के शव को लेकर कई घंटे तक डीएफ ओ दफ्तर पर बैठे रहे। जोआदमखोर गुलदार को पकड़ने में विफल वन विभाग पर उदासीनता का आरोप लगाते हुए किसान नेता दिगंबर सिंह ने कहा कि वन विभाग के पास गुलदार को पकड़नो के लिए कोई भी कार्य योजना नहीं है। इतना ही नहीं पिंजरे में गुलदार का चारा रखने के लिए भी इनके पास धकरी कुत्ता आदि की कोई व्यवस्था नहीं है।

मुठभेड़ में दो बदमाश घायल सहित चार गिरफ्तार

✷ **एनसीआर टुडे. नहटौर** ✷

स्वाट/सर्विलांस, नहटौर पुलिस व कोतवाली देहात पुलिस की संयुक्त टीम ने पुलिस मुठभेड के दौरान दो बदमाशो को घायल अवस्था व 2 अन्य बदमाशो सहित 4 बदमाशों को अवैध शस्त्र व चोरी के माल सहित किया गिरफ्तार कर लिया। तथा चोरी की 03 घटनाओं का खुलासा किया।

जनपद में अपराध व अपराधियों के विरुद्ध चलाये जा रहे अभियान तथा विगत दिनों में थाना नहटौर थाना स्योहारा व थाना कोतवाली देहात क्षेत्रान्तर्गत हुई चोरी, नकबजनी की घटनाओं के खुलासे के क्रम में नहटौर पुलिस टीम को चेकिंग के दौरान मुखबिर से सूचना मिली कि थाना नहटौर सहित अन्य थाना क्षेत्रो मे हुई चोरी की घटनाओं में संलिप्त अभियुक्तगण दो मोटरसाइकिल पर सवार होकर नहटौर-किरतपुर रोड से नहटौर की तरफ आ रहे है।

इस सूचना पर नहटौर पुलिस द्वारा तत्काल मौके पर पहुंचकर दो संदिग्ध मोटरसाईकिल (अपाचे व स्प्लेंडर) सवार तीन बदमाशों को रोकने का प्रयास किया तो तीनो बदमाश अपनी दोनो बाइको को वापस मोडकर भागने लगे तथा अपाचे बाइक पर सवार बदमाशो द्वारा पुलिस टीम पर जान से मारने की नियत से फायर कर दिया तथा भागने लगे।

इस संबंध में थाना कोतवाली देहात पुलिस टीम को तत्काल सूचना दी गई जिस पर थाना कोतवाली देहात पुलिस टीम द्वारा बदमाशो को सामने से घेरकर पकडने का प्रयास किया गया। खुद को घिरा देखकर बदमाशों द्वारा अपनी मोटरसाइकिल को ग्राम नरगदी की ओर जाने वाले राश्ते पर मोड दिया गया जहां पर आगे चलकर बदमाशो की बाइक अनियंत्रित होकर गिर गई।

अपाचे बाइक पर सवार दोनो बदमाश पुलिस टीम पर फायर करते हुए भागने लगे तभी पुलिस टीम द्वारा की गई आत्मरक्षार्थ जवाबी फायरिंग में दोनों अभियुक्तो के पैर में गोली लगी, जिनको घायल अवस्था में गिरफ्तार किया गया तथा स्प्लेंडर मोटरसाइकिल पर सवार इनके तीसरे साथी को भी घेराबन्दी कर गिरफ्तार किया गया।

घायल दोनो अभियुक्तो ने पूछने पर अपना नाम इरशाद उर्फ काला पुत्र लतीफ निवासी मौ. जागीर पट्टी ग्राम सूजडू थाना खालापार जनपद मुजफ्फरनगर व गुलफाम पुत्र इरशाद निवासी मौ. कूँदर पट्टी ग्राम सूजडू थाना खालापार जनपद मुजफ्फरनगर तथा तीसरे अभियुक्त ने अपना नाम सुलेमान पुत्र नासिर निवासी ग्राम किथौडा। थाना किरतपुर जनपद बिजनौर बताया।

पुलिस ने उनके कब्जे से एक-एक तमंचा 315 बोर 01-01 जिन्दा व 01-01 खोखा कारतूस बरामद किया। अभियुक्तो की निशांदेही पर इनके चौथे साथी अभियुक्त मौ. शाहनवाज पुत्र इसरार अहमद निवासी ग्राम अकबराबाद थाना कोतवाली देहात हाल निवासी ग्राम कल्हैडी थाना नजीबाबाद को चोरी किये गए माल (04 बैटरे, 02 इनवर्टर, 02 छोटी बैटरी, एलईडी आदि) तथा चोरी की मोटरसाईकिल (राइडर) सहित गिरफ्तार किया गया। पुलिस मुठभेड में घायल दोनो इरशाद व गुलफाम को पुलिस टीम द्वारा उपचार हेतु अस्पताल मे भर्ती कराया गया।

इस संबंध में थाना नहटौर पर मुकदमा पंजीकृत कर अग्रिम आवश्यक कार्यवाही की जा रही है। पुलिस ने बताया कि अभियुक्त इरशाद व गुलफाम थाना खालापार जनपद मुजफ्फरनगर के हिस्ट्रीशीटर अपराधी है।

डाकघर में आधार कार्ड बनवाने को लगी लंबी लाइन

✷ **एनसीआर टुडे. नगीना** ✷

नगीना सुबह छह बजे से बांटे जाते टोकन, फिर भी नहीं बन रहे अधार कार्ड नगर नगीना के डाकघर में आधार कार्ड बनवाने में लोगों का पसीना छूट रहा है।

सुबह छह बजे टोकन लेने के लिए बड़ी संख्या में लोगों की लंबी लाइन लग जाती है। इसके बावजूद भी तमाम लोग टोकन न मिलने से लौट जाते हैं। सुबह छह बजे रेलवे रोड डाकघर में आधार कार्ड बनवाने को टोकन लेने वालों की लंबी लाइन लग जाती है। लाइन में लगे लोगों ने बताया कि वह अपने बच्चों का आधार कार्ड बनवाने और संशोधन कराने को कई दिन से चक्कर काट रहे हैं, लेकिन अभी तक उनका नंबर नहीं आया है।

डाकघर से पहले टोकन मिलता है, जिस पर आने की तिथि निर्धारित होती है। इस तिथि पर आधार कार्ड संशोधन होता है या फिर नया बनता है । डाकघर में ही आधार कार्ड बनाने का काम हो रहा है।

जहां नगर सहित इलाके भर से लोग आते हैं। डाकघर में एक ही मशीन है जिससे एक दिन में 35 से 40 लोगों का ही काम हो पाता है। लोगों ने मांग की सरकार को नगर की बैंकों में भी नए आधार कार्ड बनवाने की सुविधा उपलब्ध करवानी चाहिए, जिससे आसानी से आधार कार्ड बन सकें।

लोगों ने सरकार से मांग की है कि नगर के बैंकों में भी नए आधार कार्ड बनवाने की सुविधा उपलब्ध करवानी चाहिए, जिससे आसानी से आधार कार्ड बन सकें।

भारत रत्न मौलाना अबुल कलाम आज़ाद और कुलदीप नयर एक्सीलेंस जर्नलिज़्म अवॉर्ड

भिवंडी मीडिया के सभी प्रतिनिधियों को ट्रॉफी देकर किया गया सम्मानित

✷ **एनसीआर टुडे. नहटौर** ✷

हाजी अल्लाह दिया अंसारी फ़ाउंडेशन के तत्वावधान में कल्याण रोड स्थित मंगल मूर्ति शादी हॉल में एक भव्य कार्यक्रम आयोजित किया गया।

कार्यक्रम के संयोजक ज़ियाउल हसन अंसारी ने भिवंडी मीडिया से जुड़े 100 से अधिक पत्रकारों और प्रतिनिधियों को आमंत्रित किया था। कार्यक्रम के मुख्य अतिथि के रूप में प्रसिद्ध पत्रकार जनाब सईद हमीद मुंबई मौजूद रहे। जबकि मुंबई उर्दू न्यूज़ के वरिष्ठ श्तंभकार और संरक्षक जनाब शकील रशीद ने भी शिरकत की।

विशिष्ट अतिथियों में पूर्व विधायक रूपेश महात्रे शिवसेना भिवंडी और शिवसेना प्रमुख उल्हासनगर राजेंद्र चौधरी, भिवंडी अध्यक्ष शोएब गुड्डू खान, जय रामदास प्रताप राय खत्री, फिल्म डायरेक्टर ईश्वर सिंह, अब्दुल्ला सईद, सुलैमान उस्मान मिठाईवाला (मुंबई), समाजसेवी फ़ज़्लुर्रहमान अंसारी, इनआम अली अंसारी, मुम्ब्रा से भी कई पत्रकार और मीडिया प्रतिनिधि शामिल हुए।

इस मौके पर भिवंडी के प्रिंट, मीडिया प्रतिनिधियों को मौलाना अबुल कलाम आज़ाद खादिम-ए-साहाफ़त एक्सीलेंस अवॉर्ड दे कर सम्मानित किया गया। राष्ट्रीय चैनलों के पत्रकारों को (सर कुलदीप नययर एक्सीलेंस इन जर्नलिज़्म अवॉर्ड) देकर सम्मानित किया गया।

इसके साथ ही सोशल मिडिया के दर्जनो प्रितिनिधियों को सम्मानित किया गया। विशेष मेहमानों व विशेष अतिथियों को (ईगल ऑफ सोसाइटी अवॉर्ड) और भिवंडी के उभरते यूट्यूब चैनल पत्रकारों को (राइजिंग स्टार ऑफ जर्नलिज़्म अवॉर्ड) से सम्मानित किया गया। वरिष्ठ पत्रकार सईद हमीद ने अपने सम्बोधन मे कहा कि पत्रकार का कलम एक तलवार है, जिसका उपयोग नकारात्मक या सकारात्मक दोनों तरह से किया जा सकता है।

पत्रकारों का फर्ज़ है कि वे इसका इश्तेमाल सकारात्मक रूप में करें। फ़ाउंडेशन के अध्यक्ष और कार्यक्रम संयोजक ज़ियाउल हसन अंसारी ने बताया कि संगठन पहले भी कई मौकों पर समाज की सेवा कर चुका है।

जेसे 7 जनवरी 2023 में अभिनय, राजनीति के क्षेत्र में सम्मान समारोह अवार्ड, 24 जुन 2023 को भिवंडी के 10 वी कक्षा और 12 वी कक्षा के 150 छात्रों को आइडियल स्टूडेंट अवॉर्ड दे कर प्रोत्साहित किया।

10 मार्च 2024 को कोरोना लॉकडाउन के दौरान सेवा देने वाले 125 डॉक्टरों को डॉ. एपीजे अब्दुल कलाम रियल वॉरियर अवॉर्ड दे कर सम्मानित कर प्रोतसाहित किया। उन्होंने आगे कहा कि फाउंडेशन विधवाओं और ज़रूरतमंद छात्रों के लिए भी सेवाएँ प्रदान करता रहा है, और भविष्य में भी ऐसे कार्यक्रम जारी रहेंगे।

इसमें समाज के सहयोगी और प्रमुख लोग जैसे समाज सेवी हिरल पटेल, हाजी शफ़ीक़ अंसारी (नगीना सकून ऑयल वाले) संजय संजु बाबा फंट्रोला, अब्दुल्ला अंसारी (हुमा बेकरी, पुणे), फ़ज़्लुर्रहमान अंसारी (मुंबई), जय रामदास प्रताप राय खत्री, सईद मिठाईवाला, अफ़रोज़ जहाँ (ख़ज़ांची), महेन्द्र मुखिया, हनीफ़ अंसारी (चाँद फिश), इनाम अली अंसारी और अन्य की सहभागिता हमेशा मिलती रही है।

प्रोग्राम की आखिर में संस्था ज़लि अध्यक्ष जयराम दास प्रताप खत्री, और शिव सेना प्रमुख उल्हासनगर व राजेन्द्र चौधरी ने तमाम अतिथियों को धन्यवाद और शुभकामनायें दी।

सगी बहनों से दुष्कर्म के दोषी को 20 साल की सजा

✷ **एनसीआर टुडे. गाजियाबाद** ✷

दो सगी बहनों के साथ दुष्कर्म के दोषी को पॉक्सो अदालत ने 20 साल की सजा सुनाई है। अभियुक्त पर 25 हजार रुपये का अर्थदंड भी लगाया है। वारदात वर्ष 2022 में टीला मोड़ थाना क्षेत्र में घटित हुई थी।

पॉक्सो कोर्ट तृतीय के विशेष लोक अभियोजक सतीश शर्मा ने बताया कि पीड़िता की नानी ने छह अप्रैल 2022 को मुकदमा दर्ज कराया था।

इसमें बताया था कि उसकी बेटी के साथ काम करने वाला मुकेश कुमार दोनों नातिनों के साथ दुष्कर्म करता था। जब पीड़िताओं ने यह बात अपनी मां को बताई। मां ने उसकी बात नहीं मानी और बोला कि यह बात किसी को मत बताना।

इसके बाद जब दोनों बहनों ने नानी को घटना की जानकारी दी। नानी ने थाने में अपनी बेटी राजकुमारी और मुकेश कुमार के खिलाफ मुकदमा दर्ज कराया था। पुलिस ने दोनों को गिरफ्तार कर लिया। इसके बाद दोनों को जेल भेज दिया गया था।

मामले में सोमवार को पॉक्सो कोर्ट तृतीय के विशेष न्यायाधीश लाल बाबू यादव की अदालत में अंतिम सुनवाई हुई। अभियोजन पक्ष की ओर से आठ गवाह पेश किए गए।

अदालत ने पुख्ता साक्ष्य और गवाहों के बयान के आधार पर मुकेश कुमार को दोषी ठहराते हुए सजा सुनाई। वहीं, राजकुमारी को दोषमुक्त कर दिया गया है।

हरियाणा से शराब की तस्करी करने वाला गिरफ्तार

✷ **एनसीआर टुडे. गाजियाबाद** ✷

लोनी के ट्रोनिका सिटी थाना पुलिस ने सोमवार को वाहनों की जांच के दौरान मंडोला गांव के बैरियर से एक शराब तस्कर को गिरफ्तार किया।

उसके पास से हरियाणा मार्का की 43 पेटी देशी शराब व कार बरामद हुई। ट्रोनिका सिटी थाना पुलिस सोमवार सुबह दिल्ली सहारनपुर मार्ग स्थित मंडोला गांव के बैरियर पर वाहनों की जांच कर रही थी। इस दौरान पुलिस को एक दिल्ली नंबर की कार में कई पेटी हरियाणा मार्का देशी शराब ले जाने की सूचना मिली। सूचना पर पुलिस ने एक रिट्ज कार को तलाशी के लिए रोका। कार के शीशे पर प्रेस का स्टीकर लगा हुआ था।

तलाशी लेने पर पुलिस को कार में कई पेटी शराब मिली। पूछताछ में तस्कर ने अपना नाम गौरव निवासी संतोषपुर निवासी बागपत बताया। तस्कर से बरामद बरामद हुई, जिसकी कीमत करीब दो लाख रुपये है। उसने पुलिस से बचने के लिए कार के शीशे पर प्रेस का स्टीकर लगाया हुआ था। उसने हरियाणा से सश्ते दामों में शराब खरीदकर दिल्ली व उससे सटे इलाकों में महंगे दामों में शराब बेचना स्वीकार किया है। तस्कर ने बताया कि वह बरामद शराब को दिल्ली सोनिया विहार इलाके में ले जा रहा था।

प.उ.प्र. व्यापार मंडल के अध्यक्ष ठेकेदार शेख जमशेद को युवा जिला उपाध्यक्ष मनोनीत किया

✷ **एनसीआर टुडे. नगीना** ✷

पश्चिमी उत्तर प्रदेश उद्योग व्यापार मंडल के अध्यक्ष रवि प्रकाश व प्रदेश महामंत्री मुकुल अग्रवाल द्वारा नगर के जाने माने समाजसेवी युवा ठेकेदार शेख़ मोहम्मद जमशेद को बिजनौर में संगठन के युवा जिला उपाध्यक्ष के पद पर मनोनीत किया।

मोहल्ला लुहारी सराय नगीना मे सय्यद जुबैर जैदी के आवास पर शेख़ मोहम्मद जमशेद को बिजनौर मे संघटन के युवा ज़िला उपाध्यक्ष बनाये जाने पर फूल मालाएं व शॉल ओढ़ाकर जोरदार किया गया। इस अवसर पर शेख मोहम्मद जमशेद ने कहा कि आज उन्हें जो सम्मान दिया गया है उसके लिए वह सदा आभारी रहेंगे। लोगों की सेवा तथा खिदमत करना उनके जीवन का एकमात्र मकसद है। वह जब तक जिंदा रहेंगे लोगों की मदद तथा सेवा करते रहेंगे। स्वागत समारोह मे सय्यद आसिफ अली,एजाज़ अहमद उर्फ़ गुड्डू, सय्यद जुबैर ज़ैदी,सय्यद यावर, गोहर अली,बार एसोसिएशन के महासचिव नईम एडवोकेट, सिद्दीक मुल्तानी सभासद पति,जुनैद कुरैशी सभासद पति,दिलशाद सैफी,शन्नु मेहंदी हसन, अज़हर हसनैन शमसी,आमिर शबाहत, फरमान, नईम अहमद,मोह०आमिर, सरफ़राज़ अंसारी, अख्तर,आदि लोग उपशितथ रहे। बताते चले कि शेख मोहम्मद जमशेद नगर के जाने माने समाज सेवी हैं। वह हमेशा से समाज सेवा में बढ़कर चढ़कर हिस्सा लेते हैं। वर्तमान में वह प्रदेश प्रभारी भारतीय किसान यूनियन अनंत, राष्ट्रीय पत्रकार परिषद में संगठन के वरिष्ठ उपाध्यक्ष, तथा पश्चिम उत्तर प्रदेश उद्योग व्यापार प्रतिनिधि मंडल में युवा जिला उपाध्यक्ष के पद पर तैनात है। लगातार लोगों की सेवा तथा खिदमत करने के कारण मैं नगीना की आवाम के दिलों में बसे हुए हैं।

उत्तर रेलवे

इलेक्ट्रॉनिक निविदा ई-प्रणाली के अन्तर्गत मदों की आपूर्ति हेतु निविदा आमंत्रण

भारत के राष्ट्रपति की ओर से मुख्य सामग्री प्रबन्धक, उत्तर रेलवे, नई दिल्ली-110001 द्वारा इच्छुक फर्मों से निम्नलिखित मदों के लिये ई-निविदा आमंत्रित की जाती है:-

क्र. सं.	निविदा सं.	संक्षिप्त विवरण	मात्रा	अंतिम तिथि
1	GEM/2025/B/6643658	अस्पताल सहायक	99	22.09.2025

निविदा शर्तें- 1. विस्तृत जानकारी IREPS वेबसाईट यानि www.ireps.gov.in पर देखी जा सकती है। 2. मैनुअल निविदा स्वीकृत नहीं की जायेगी।

टेंडर नोटिस सं.: टेबलेट/इंजेक्शन और दवाएं दिनांक 15.09.2025 2815/2025

ग्राहकों की सेवा में मुस्कान के साथ

संपादकीय

बरसात की त्रासदी : अतीत, वर्तमान व भविष्य

हिमाचली लोगों ने बेरहम बरसात से बाढ़ व भूस्खलन की अतीत की खौफनाक व त्रासद घटनाओं से सबक नहीं सीखा। वर्तमान में भयानक व भयावह घटनाएं घटित हो रही हैं। 13 सितंबर 2025 शनिवार को बिलासपुर और चंबा में बादल फटने से भारी तबाही हुई है। गनीमत रही कि कोई मानवीय तबाही नहीं हुई है।

प्राकृतिक आपदा से बिलासपुर के नमहोल के गांव गुतराहन और चंबा के चुवाड़ी में घरों में मलबा घुस गया और कीमती गाड़ियां दब गईं। 16 जून से बरसात का सिलसिला निरंतर चल रहा है। 16 सितंबर को तीन महीने पूरे हो जाएंगे। निरमंड में भूस्खलन होने से एक ही परिवार के आठ लोग जिंदा दफन हो गए। बाढ़ से पुराने पुल टूट गए, लोग बह गए हैं। जनजीवन अस्त व्यस्त हो चुका है।

धर्मशाला आए प्रधानमंत्री ने भी आपदा राहत के लिए 1500 करोड़ की घोषणा की है। मंडी के सराज में भी बहुत लोग मारे गए हैं। कुछ अभी भी लापता हैं। अतीत में बहुत मानवीय त्रासदी हुई थी और वर्तमान में भी तबाही की डरावनी व खौफनाक पुनरावृत्ति हो रही है। 2 सितंबर 2025 को मंडी के सुंदरनगर के जंगमबाग गांव में भारी वर्षा के कारण पहाड़ी में भूस्खलन हुआ। इस दर्दनाक हादसे में सात लोगों की मौत हो गई। प्रतिदिन भूस्खलन हो रहे हैं और लाशों के अंबार लग रहे हैं।

बरसात ने घर के घर तबाह कर दिए और सब कुछ लील लिया। चिराग बुझ गए, परिवार के परिवार खत्म हो गए। बरसात की इस त्रासदी में अबोध व मासूम बच्चों की बहुत मौतें हुई हैं। माताओं, बहनों के सुहाग उजड़ गए। कई बच्चे अनाथ हो गए। सराज में 11 महीने की निकिता के मां-बाप बह गए। आपदा से प्रदेश में अब तक 320 से ज्यादा लोगों की मौत हो चुकी है। 40 से अधिक लोग अभी भी लापता हैं। 20 जून से अब तक 231 बार से अधिक आपदाएं आई हैं। 95 बार भूस्खलन, 91 बार फ्लैश फ्लड और 45 बार बादल फटे हैं। मणिमहेश यात्रा में फंसे 15000 तीर्थयात्रियों में से 10000 को सुरक्षित निकाल लिया गया है।

यात्रा के दौरान 17 श्रद्धालुओं की जान चली गई। भविष्य को सुरक्षित करना होगा ताकि मानवीय तबाही रुक सके। खनन व पेड़ों के कटान पर रोक लगानी होगी। आपदा प्रबंधन को मजबूत बनाना होगा, ताकि ऐसी रौंगटे खड़े कर देने वाली त्रासदियां रुक सकें। त्रासदी झेल चुके लोगों के जख्म तो भर जाएंगे, लेकिन निशान अमिट रहेंगे।

सतर्कता व सावधानी बरतनी होगी। जीवनशैली बदलनी होगी। सरकार ने राष्ट्रीय आपदा प्रबंधन अधिनियम की धारा 34 के तहत पूरे हिमाचल को आपदा प्रभावित राज्य घोषित कर दिया है। प्रदेश में भारी वर्षा, भूस्खलन, बादल फटने और बाढ़ से 31 अगस्त तक 3056 करोड़ रुपए का प्रारंभिक नुकसान आंका गया है। बरसात से हिमाचल के प्रभावित जिलों में मंडी, कुल्लू, चंबा, शिमला, लाहौल स्पीति, कांगड़ा, हमीरपुर व बिलासपुर शामिल हैं। प्रकृति से अनावश्यक छेड़छाड़ बंद करनी होगी। प्राकृतिक आपदाओं को रोक तो नहीं सकते, परंतु अपने विवेक व ज्ञान से अपने आप को सुरक्षित कर सकते है।

हादसों व आपदाओं से न तो लोग सबक सीखते हैं और न ही सरकारें सबक सीखती हैं। कुछ दिन सरकारी अमला औपचारिकता निभाता है और उसके बाद अगली घटना तक कोई कारगर उपाय नहीं किए जाते हैं। तब तक नई घटना घटित हो जाती है। पहाड़ों को काटकर बनाए फोरलेन बनने से भी बहुत नुकसान हुआ है। पहाड़ दरक रहे हैं, लोग अकाल मौत मर रहे हैं। वर्तमान घटनाओं के आंकड़े बहुत ही डरावने हैं। सैंज में भी बादल फटने से आई बाढ़ में पिता और पुत्री की मौत हुई थी। 30 जून 2025 को सराज में बादल फटने व बाढ़ आने से सब कुछ तबाह हो गया। सराज कभी गुलजार रहता था, आज वीरान हो चुका है।

तीन महीने बीत गए हैं, धीरे-धीरे जीवन पटरी पर लौट रहा है। बाढ़ में बेमौत मारे गए अपनों की यादें रोने पर मजबूर कर रही हैं, क्योंकि अब जिंदगी भर यादों के सहारे ही जीना पड़ेगा। यहां बाढ़ के कारण पंगलियूर गांव के एक ही परिवार के 11 लोग बेमौत मारे गए, मात्र एक लडक़ी ही बच सकी थी। सराज के बाद मंडी में भी ऐसी ही घटना हुई जिसमें एक ही परिवार के तीन लोग मारे गए थे।

2024 में निरमंड के समेज में बहुत बड़ा हादसा हुआ था, जहां बादल फटने से पूरा गांव बह गया था। यहां लगभग 45 लोग मारे गए थे। अतीत की त्रासदियों को देखें तो आत्मा सिहर उठती है। 20 अगश्त 2022 को मंडी के गोहर में बादल फटने से एक मकान जमींदोज हो गया जिसमें एक ही परिवार के आठ लोग जिंदा दफन हो गए थे। जब एक घर से आठ अर्थियां उठी तो कायनात कांप उठी थी।

25 जुलाई को किन्नौर में भूस्खलन की चपेट में आने से 9 पर्यटकों की दर्दनाक मौत हो गई थी। अतीत को भुला दिया गया, कोई सबक नहीं सीखा, नतीजतन हादसे दर हादसे हो रहे हैं। 16 जून 2025 से हिमाचल में बरसात का कहर मचा हुआ है और थमने का नाम नहीं ले रहा है। यह बरसात निर्बाध रूप से हो रही है। जुलाई-अगश्त दो महीने लगातार बरसात होती रही। अब सितंबर माह में भी यह बरसात निरंतर जारी है। अब पता नहीं कब तक यह सिलसिला जारी रहेगा, यह भविष्य के गर्भ में है। बरसात के कहर से जनजीवन अश्त व्यश्त हो चुका है। हजारों लोग मौत के मुंह में समा चुके हैं। बरसात के रौद्र रूप से हर तरफ तबाही का मंजर हुआ है।

आज मानव अपनी करनी पर पछतावा कर रहा है, लेकिन अब कोई चारा नजर नहीं आ रहा है। लाचार व बेसहारा हो चुका मानव अब आंसू बहा रहा है। मानव अपनी गलतियों का नतीजा भुगत रहा है। काश पूर्व में यह गलतियां न की होती तो आज यह दुर्गति न होती, मगर माया में अंधा हो चुका इनसान बेहोश हो चुका था। जब तक होश आया सब कुछ तबाह हो गया। अब अपने किए कर्मों का फल प्राप्त कर रहा है। किन्नौर से लेकर भरमौर तक बरसात का कहर बरप रहा है।

प्रति वर्ष प्राकृतिक आपदाएं अपना जलवा दिखाती रहती हैं तो कभी बाढ़ का रौद्र रूप जिंदगियां लीलता है। कहते हैं कि प्राकृतिक आपदाओं को रोक तो नहीं सकते, परंतु अपने विवेक व ज्ञान से अपने आप को सुरक्षित कर सकते हैं।

देश के हर राज्य में बरसात का कहर बरप रहा है। प्रतिवर्ष लाखों लोग आपदा का दंश झेल रहे हैं। हादसों में लोग अपंग हो रहे हैं, बच्चे अनाथ होते जा रहे हैं। प्रकृति से छेड़छाड़ बंद करनी होगी, तभी इन हादसों पर रोक लग सकती है। अगर अब भी प्रकृति से खिलवाड़ बंद नहीं किया तो मानव को ऐसी सजाएं मिलती रहेंगी।

अब एमएसएमई की मजबूती जरूरी

डा. जयंतीलाल भंडारी

इन दिनों प्रकाशित हो रही विभिन्न रिपोर्टों में यह टिप्पणी की जा रही है कि अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप की टैरिफ चुनौतियों के बीच देश की अर्थव्यवस्था को 2027 तक दुनिया की तीसरी सबसे बड़ी अर्थव्यवस्था और 2047 तक भारत को दुनिया का विकसित देश बनाने के लिए देश की अर्थव्यवस्था की रीढ़ कहे जाने वाले सूक्ष्म, लघु एवं मध्यम उद्योग (एमएसएमई) की विभिन्न चुनौतियों के समाधान और इसकी मजबूती के मद्देनजर नई रणनीति पर आगे बढ़ना जरूरी है।

निःसंदेह इसमें कोई दो मत नहीं हैं कि हाल ही में जीएसटी परिषद की 56वीं बैठक में जिस तरह वस्तु एवं सेवा कर (जीएसटी) की दरें कम की गई हैं और जीएसटी को युक्तिसंगत बनाया गया है, उससे ट्रंप के टैरिफ की चुनौतियों का सामना कर रहे एमएसएमई को भारी लाभ होगा।

एमएसएमई से जुड़े जीएसटी सुधार प्रमुख रूप से ऑटोमोबाइल, ड्रायफ्रूट्स उद्योग, खाद्य प्रसंस्करण, डेयरी उत्पाद, परिधान, लॉजिस्टिक्स, हस्तशिल्प, आवास निर्माण उत्पाद क्षेत्रों की इकाइयों को भारी लाभ देंगे। एमएसएमई क्षेत्र में जीएसटी दरों को कम किए जाने की रणनीति आपूर्ति श्रृंखलाओं को मजबूत करने और स्थानीय उत्पादन को बढ़ावा देने तथा विशेष रूप से महिलाओं, ग्रामीण उद्यमियों और अनौपचारिक क्षेत्र के श्रमिकों के लिए रोजगार को बढ़ावा देगी।

इससे खास तौर से वस्त्र, खिलौने, हस्तशिल्प, चमड़ा और विभिन्न क्षेत्रों में रोजगार के अवसर बढ़ेंगे। यह बात महत्वपूर्ण है कि दोपहिया वाहनों, कारों, बसों और ट्रैक्टरों पर कम जीएसटी से मांग बढ़ेगी, जिससे टायर, बैटरी, ग्लास, प्लास्टिक और इलेक्ट्रॉनिक्स क्षेत्र के एमएसएमई को लाभ होगा।

ट्रैक्टरों पर जीएसटी घटाकर 5 फीसदी (1800 सीसी) करने से भारत की वैश्विक स्तर पर ट्रैक्टर विनिर्माण में अग्रणी बनने की स्थिति मजबूत होगी। साथ ही इससे संबद्ध एमएसएमई को प्रोत्साहन मिलेगा। वाणिज्यिक माल वाहनों (ट्रक, डिलीवरी वैन) पर जीएसटी 28 फीसदी से घटाकर 18 फीसदी कर दिए जाने से माल ढुलाई, लॉजिस्टिक्स लागत, महंगाई का दबाव कम होने से एमएसएमई को लाभ होगा। ऐसे में निश्चित रूप से जीएसटी की नई स्लैब से आम आदमी, छोटे व्यापारियों और एमएसएमई को राहत मिलेगी।

चाहे आम आदमी के इस्तेमाल की चीजें हों, चाहे वे किसानों से जुड़ी वस्तुएं हों, चाहे वे मध्यम वर्ग से संबंधित वस्तुएं हों, चाहे वह शिक्षा, स्वास्थ्य, बीमा का क्षेत्र हो, प्रत्येक क्षेत्र में एमएसएमई को दी गई बड़ी जीएसटी राहत अर्थव्यवस्था को भी रफ्तार देगी।

यद्यपि अब जीएसटी दर घटने से एमएसएमई को कर राहत जरूर मिलेगी, लेकिन इसके अलावा एमएसएमई के समक्ष डिजिटल ढांचा, कुशल श्रमिक, बाजार पहुंच, फंडिंग की कमी, टेक्नोलॉजी, सप्लाई चेन, डेटा सुरक्षा और स्किल डेवलपमेंट की चुनौतियां खड़ी हुई हैं। आईटी सेक्टर से जुड़े स्टार्टअप्स के समक्ष व्यावहारिक मार्गदर्शन, एक्सेस और प्रारंभिक निवेश की चुनौती है। खाद्य प्रसंस्करण जैसे उद्यमों में खराब तकनीक और कमजोर लॉजिस्टिक व्यवस्था के कारण गुणवत्ता में कमी की चुनौती है। ऊर्जा की अनियमित आपूर्ति और बड़ी कंपनियों से भुगतान में देरी एमएसएमई के विकास में बड़ी बाधा हैं। सिडबी की रिपोर्ट के मुताबिक अभी एमएसएमई के लिए सरल कर्ज की प्राप्ति एक बड़ी चुनौती बनी हुई है।

उल्लेखनीय है कि एमएसएमई क्षेत्र देश में उत्पादन, निर्यात और रोजगार में लगातार अपनी अहम भूमिका बढ़ाता जा रहा है। विगत 21 जुलाई को राज्यसभा में एमएसएमई मंत्री ने बताया कि देश में इस समय पंजीकृत 6.5 करोड़ एमएसएमई करीब 28 करोड़ लोगों को रोजगार देते हैं।

देश के सकल घरेलू उत्पाद (जीडीपी) में एमएसएमई का योगदान करीब 30.1 फीसदी है। देश के एमएसएमई विनिर्माण में 35.4 फीसदी और निर्यात में 45.73 फीसदी योगदान दे रहे हैं। निश्चित रूप से अब इस समय तेज विकास की रणनीति के तहत तेजी से आकार ले रहे भारत के एफटीए में जिस तरह एमएसएमई के हितों को अधिक महत्व दिया जा रहा है, उससे देश के एमएसएमई के लिए नई वैश्विक संभावनाएं भी उभर कर दिखाई दे रही हैं। निःसंदेह एमएसएमई के समक्ष ऊंचे टैरिफ से निर्मित चिंताओं को दूर करने हेतु मौजूदा वित्त वर्ष 2025-26 के बजट में एमएसएमई सेक्टर को मजबूत करने के उद्देश्य से बहुआयामी उपायों की जो एक वृहद श्रृंखला प्रश्तुत की गई है, उसके क्रियान्वयन पर तेजी से आगे बढऩा होगा।

इसके तहत वित्तीय सहायता और खरीद नीतियों से लेकर क्षमता निर्माण और बाजार एकीकरण तक की पहलें शामिल हैं। प्रमुख पहलों में उद्यम पंजीकरण पोर्टल, पीएम विश्वकर्मा योजना, पीएमईजीपी, स्फूर्ति और एमएसई के लिए सार्वजनिक खरीद नीति शामिल हैं, जिनका उद्देश्य उद्यमिता को प्रोत्साहन देना, रोजगार बढ़ाना और अनौपचारिक क्षेत्रों को औपचारिक अर्थव्यवस्था में एकीकृत करना है।

उद्योगों का विश्तार करने और दक्षता में सुधार करने में मदद करने के लिए, एमएसएमई वर्गीकरण के लिए निवेश और टर्नओवर सीमा बढ़ा दी गई है। चालू वित्त वर्ष 2025-26 में एमएसएमई को दिए जाने वाले कर्ज का लक्ष्य पिछले वर्ष की तुलना में करीब 20 फीसदी बढ़ाकर सुनिश्चित किया गया है।

सरकार निर्यातकों को सहारा देने के लिए 2250 करोड़ रुपए के निर्यात संवर्धन मिशन को तेजी से लागू करने और बिना रेहन के कर्ज दिए जाने की डगर पर आगे बढ़ रही है। टैरिफ तूफान के बीच एमएसएमई की क्षमताओं को उन्नत करने, संचालन को सुव्यवस्थित करने तथा निर्यात झटके से निपटने के लिए एमएसएमई को नीतिगत समर्थन का लाभ दिया जाना होगा। अब एमएसएमई के बढ़ावा देने की नई योजना, कारोबार में सरलता, वैश्विक बाजार में सरल पहुंच, अनुपालन बोझ में कमी, जीएसटी दरों में सरलता पर ध्यान देना।

एमएसएमई को सीधे मदद और प्रक्रियाओं के माध्यम से मदद, दोनों ही डगर पर आगे बढ़ना होगा जिससे उनके व्यापक ढांचे में लचीलापन मिल सकेगा और उनके अनुपालन लागत में भी कमी आएगी।

सरकार के द्वारा एमएसएमई के कारोबार करने को आसान बनाने और घरेलू खपत को बढ़ाने के तरीकों पर नए सिरे से आगे बढ़ना होगा। नई सप्लाई चेन और नए बाजारों की तलाश की जान होगी। विदेशों में वेयरहाउसिंग की सुविधा और वैश्विक ब्रांडिंग पहल से भी निर्यात का बाजार बढ़ाना होगा। इस बात पर भी ध्यान दिया जाना होगा कि बुनियादी ढांचे की मजबूती, अधिक लॉजिस्टिक्स सुविधाएं, कम ब्याज दर पर ऋण उपलब्ध कराए जाने, ब्याज समतुल्य योजना को फिर से शुरू किए जाने तथा ऋण गारंटी कार्यक्रमों का विस्तार करने जैसे उपायों से एमएसएमई को वित्तीय राहत और स्थिरता प्रदान की जानी होगी।

एमएसएमई के हित में उत्पादन-लिंक्ड प्रोत्साहन (पीएलआई) योजनाओं का विस्तार किए जाने से विशेष रूप से निर्यात-उन्मुख एमएसएमई लाभान्वित होंगे। नवाचार की नई लहर एमएसएमई के लिए नया अध्याय लिख सकती है। इस बात पर भी ध्यान केंद्रित करना होगा कि भारत के एमएसएमई गुणवत्ता को मुट्ठी में लेकर समकालीन डिजिटल तकनीकों को अपनाते हुए वैश्विक बाजार में अपनी प्रतिस्पर्धात्मक शक्ति को रणनीतिक रूप से बढ़ा सकते हैं।

चूंकि एमएसएमई आर्थिकी के एक मजबूत इंजन की तरह काम कर रहे हैं, ऐसे में इस विकास को बनाए रखने के लिए एमएसएमई को लगातार सहयोग, प्रशिक्षण और तकनीकी सहायता दी जानी होगी। इन सबके साथ-साथ एमएसएमई क्षेत्र को भी ट्रंप टैरिफ की सच्चाइयों को समझते हुए नवाचार, प्रतिस्पर्धा, क्षमता में सुधार तथा शोध की डगर पर आगे बढऩे की तैयारी करनी होगी। भारत का टिकाऊ विकास तभी संभव है।

विश्व ओज़ोन दिवस पर विशेष : ओज़ोन परत की सुरक्षा के प्रयासों को बढ़ावा देना होगा

संजय गोस्वामी

विश्व ओज़ोन दिवस 2025, हर साल 16 सितंबर को मनाया जाता है। यह दिवस 1987 में मॉन्ट्रियल प्रोटोकॉल पर हश्ताक्षर की वर्षगांठ के उपलक्ष्य में मनाया जाता है यह दिवस पृथ्वी पर जीवन को हानिकारक पराबैंगनी (यूवी) विकिरण से बचाने में ओज़ोन परत के महत्व के बारे में वैश्विक जागरूकता बढ़ाने का दिन है। विश्व ओज़ोन दिवस 2025 का विषय विज्ञान से वैश्विक कार्रवाई तक है, जो मॉन्ट्रियल प्रोटोकॉल की उपलब्धियों और निरंतर महत्व को उजागर करने के लिए संयुक्त राष्ट्र पर्यावरण कार्यक्रम (यूएनईपी) की एक पहल है।मॉन्ट्रियल प्रोटोकॉल का स्मरण और ओज़ोन परत की सुरक्षा के प्रयासों को बढ़ावा देना होगा।यह दिन पराबैंगनी किरणों को अवशोषित करने और मानव स्वास्थ्य, पारिस्थितिक तंत्र और ग्रह की सुरक्षा में ओज़ोन परत की महत्वपूर्ण भूमिका की याद दिलाता है।

ओजोन परत क्षय एक गंभीर चुनौती ओजोन परत समुद्र सतह से 60 कि.मी. की ऊंचाई तक विविध सांद्रता वाली परतों में पाई जाती है। ओजोन गैस ऊपर वायुमण्डल में अत्यंत पतली एवं पारदर्शी परत बनाते हैं !ओजोन लेयर ; ०2त्र ०3द्ध ऑक्सीजन गैस का ही एक रूप होता है ! जब ऑक्सीजन के तीन परमाणु एक साथ जुड़ जाते है तो वो ओजोन का निर्माण करते है !वायुमण्डल में ओजोन गैस का एक छाता सा आवरण पाया जाता है जिसे ओजोन परत या ओजोन मण्डल कह सकते हैं। वायुमण्डल की ऊंचाई 16 से 29 किलोमीटर तक मानी जाती है। तापक्रम तथा वायुमण्डल के कारण वायुमण्डल का परिवर्तन मण्डल, ओजोन मण्डल, समताप मण्डल तथा मध्य मण्डल उर्ध्वाकार विभाजन किया गया है।

इसमें प्रमुख है ओजोन परत मण्डल जो ओजोन परत के नाम से जाना जाता है। यह परत पृथ्वी के धरातल से 20..30 कि.मी. की ऊंचाई पर पाई जाती है ओजोन परत ऑक्सीजन के तीन परमाणु से मिलकर बनती है। यह परत वायुमण्डल में बहतु कम है यह परत धरती के निकट होती तो इससे मानव के शरीर पर हानिकारक प्रभाव पड़ता जिससे मनुष्य अनेक रोगों से पीड़ित हो जाता।

जहां यह परत धरती के लिए हानिकारक है, वहीं यह परत वायुमण्डल में ऊपर होने से मनुष्यों के लिए लाभदायक है। सूरज से निकलने वाली सबसे हानिकारक गैस है पैराबैंगनी किरण! पैराबैंगनी किरणे ना ही सिर्फ मनुष्य बल्कि जीव जंतुओं और वनस्पतियों के लिए अत्यंत हानिकारक है। सूरज की नुकसानदेह किरणों से बचाने वाली हमारी जीवन रक्षक परत ओजोन बेहद पतली हो चुकी है। सूर्य की पराबैंगनी किरणों से धरती को बचाने वाली ओजोन परत में छेद हो चुका है। जब आर्कटिक के ऊपर ओजोन परत में इतना विशाल छिद्र देखा गया है. वैज्ञानिकों को कई तरह की चिंताएं सता रही हैं.ओजोन परत का अध्ययन करने वाले जेट प्रॉपल्सन लैबोरेटरी कैलीफोर्निया के वैज्ञानिकों ने ताजा रिपोर्ट तैयार की है. अमेरिकी अंतरिक्ष एजेंसी नासा के सैटेलाइट्स से मिली तस्वीरों के आधार पर रिपोर्ट कहती है कि ओजोन परत पर उत्तरी अमेरिका के आकार जितना बड़ा छेद हो चुका है। इसका आकार 2.5 वर्ग किलोमीटर आंका गया है. वैज्ञानिक 1980 से ओजोन परत में हो रहे छिद्र का अध्ययन कर रहे हैं।

हर साल ग्लोब के सबसे निचले हिस्से अंटार्कटिका में जाकर ओजोन परत पर नजर रखी जा रही है.रिपोर्ट के मुताबिक वैज्ञानिकों को आशंका है कि ओजोन परत का छेद फैलकर दक्षिणी अमेरिका तक पहुंच सकता है. ऐसी परिस्थितियों में ब्राजील, चिली और पेरू समेत कई देशों को कठिन परिस्थितियों का सामना करना पड़ेगा. सूरज की पराबैंगनी किरणों से त्वचा का कैंसर और मोतियाबिंद जैसी बीमारियां महामारी का रूप ले सकती हैं यह सब ग्रीन हाऊस गैसों से है ग्लोबल वार्मिंग के कारण हुआ है। इनमें सबसे खतरनाक क्लोरो-फ्लोरो कार्बन गैस है जो ओजोन के परमाणुओं को कम कर रहा है। इसकी वजह से हर साल ओजोन परत 4 प्रतिशत की दर से कम हो रही हैं।

यदि ओजोन के नुकसान की यही गति रही तो अगले 50 से 60 साल में ओजोन का 15 से 20 प्रतिशत भाग नष्ट हो जाएगा। इससे पराबैंगनी किरणां के पृथ्वी के धरातल पर पड़ने से तेज धूप होगी जिससे जीव-जंतुओं में जल की कमी होगी और वे गर्मी से झुलस जाएंगे। नाइट्रस आक्साइड एक हरितगृह गैस है जो वैश्विक तपन के साथ-साथ समताप मंडलीय ओजोन परत की क्षय के लिए भी उत्तरदायी है।

रक्षा कवच के रूप में ओजोन परत सूर्य की हानिकारक परा-बैंगनी किरणों को अवशोषित कर पृथ्वी के जीवों की रक्षा करती है। धान की खेती के विस्तार के फलस्वरूप मीथेन गैस की उत्सर्जन की दर में बढ़ोत्तरी हुई है।

मीथेन भी नाइट्रस आक्साइड की तरह हरितगृह गैस है जो वैश्विक तपन के लिए उत्तरदायी है। ओजोन परत की बिरलता न केवल तापमान वृद्धि हो रही है बल्कि जलवायु परिवर्तन का यह एक बड़ा कारण है। इसका सबसे बड़ा दुष्परिणाम जैव-भू-जैव रासायनिक चक्र में परिवर्तन होना है। एक तरफ मानव जनसंख्या में लगातार वृद्धि हो रही है वहीं दूसरी तरफ हिमखण्ड पिघलने से भूक्षेत्र में कमी आ रही है। आने वाले समस में यह स्थिति अराजकता और अव्यवस्था का परिचायक दिखलाई पड़ रही है। ओजोन परत में विरलता से वह अमलीय वर्षा और घने कुहरे का प्रकोप दुनिया झेल रही है। वहीं दूसरी तरफ इस विखण्डन के नाते पराबैंगनी बीटा किरणों की अधिकता से न केवल पशु, पौधे बल्कि मानव भी बुरी तरह से दुष्प्रभावित है।

विभिन्न प्रकार के होने वाले चर्म रोग, कैंसर रोग, मोतियाबिन्द, चमड़ियों में झुर्री पड़ना, त्वचा की कोशिकाओं में टूट-फूट होना इत्यादि संकट से आज यह जगत दो चार हो रहा है। समय रहते इसके समझ लें और ठीक करने की अत्यन्त आवश्यकता है। वरना आने वाली पीढ़ी इस मार को सहने को अक्षम होगी। न्यूजीलैण्ड के अंतरिक्ष वैज्ञानिकां ने आकड़ां का हवाला देते हुए कहा है कि अंटार्कटिक महाद्वीप के ऊपर आकाश में ओजोन परत का छिद्र बढ़कर काफी बड़े आकार का होकर दक्षिणी अमेरिका के एक ष्शहर तक फैल गया है।

अंटार्कटिका पोल के ऊपर की परत में छेद हो गया है जो लगभग यूरोप के भौगोलिक आकार का है। ओजोन परत क्षरण का प्रमुख कारण है समताप मण्डल में अत्यधिक प्रदूषण का होना। सूर्य के प्रकाश में हरे पौधे प्रकाश संश्लेषण की क्रिया द्वारा अपना भोजन बनाते हैं परंतु जब पराबैंगनी किरणों के कारण अत्यधिक धूप होगी तो जल को वह सोख लेगी और पौधों पर विपरीत प्रभाव पड़ेगा और वे सूख जाएंगे।

पराबैंगनी किरणां के कारण अनेक रोग उत्पन्न होंग, हमारी रोगां से लड़ने की ष्शक्ति या क्षमता धीरे-धीरे कम हो जाएगी। पराबैंगनी किरणां के कारण हमारा ष्शरीर तो झुलस ही जाएगा, अनेक प्रकार के चर्म रोग भी उत्पन्न होंगे। अंदाजा लगाया जा सकता है कि किस गति से ओजोन परत का क्षय हो रहा है। मनुष्यों के अनेक क्रियाकलापों से उत्पन्न क्लोरो फ्लोरो कार्बन (ब्थ्ब) यौगिक हैलोजन्स (क्लोरीन,फ्लोरीन, ब्रोमीन) तथा नाइट्रस ऑक्साइड की मात्रा वायुमण्डल में अधिक है। इन सभी हानिकारक गैसों के कारण ओजोन परत में छिद्र हो रहा है।

इससे सूर्य की पराबैंगनी किरणें सीधे पृथ्वी पर पड़ रही हैं। ओजोन परत के क्षरण का सबसे बड़ा कारण मनुष्यों द्वारा उत्पन्न किया गया क्लोरो फ्लोरो कार्बन यौगिक है, रेफ्रीजरेटरों और ए.सी. जैसे विद्युत उपकरणों और प्लास्टिक के फोम बनाते समय होती है।ओजोन परत के क्षरण से अधिक हानि है तालाब, झील व नदियां का सूख जाएगी अत्यधिक गर्मी के बढ़ने के कारण झील, तालाब और नदियां का पानीसूख जाएगा तथा जीव-जंतुओं का जीवन खतरे में पड़ जाएगा। प्रत्येक वर्ष ग्लोबल वार्मिंग के कारण ध्रुवों पर ग्लेशियर पिघलने की गति बढ़ती जा रही है जलवायु परिवर्तन का मुख्य कारण वैश्विक तपन है जो हरितगृह प्रभाव का परिणाम है। वह प्रक्रिया जिसमें पृथ्वी से टकराकर लौटने वाली सूर्य की किरणों को वातावरण में उपस्थित कुछ गैसें अवषोशित कर लेती हैं जिसके परिणामस्वरुप पृथ्वी के तापमान में वृद्धि होती है को हरितगृह प्रभाव के नाम से जाना जाता है। वह गैसें जो हरितगृह प्रभाव के लिए उत्तरदायी हैं को हरितगृह गैस के नाम से जाना जाता है। कार्बन डाईऑक्साइड ;मीथेन क्लोरोफ्लोरोकार्बन्स नाइट्रस ऑक्साइड तथा क्षोभमण्डलीय ओजोन मुख्य हरितगृह गैसें हैं जो हरितगृह प्रभाव के लिए उत्तरदायी हैं। विभिन्न कारणों से वातावरण में इनकी निरन्तर बढ़ती मात्रा से वैश्विक जलवायु परिवर्तन का खतरा दिनोंदिन बढ़ता जा रहा है।

फलस्वरूप समुद्र के तल में असामान्य रूप से परिवर्तन देखने को मिल रहे हैं जो कि सीमावर्ती क्षेत्रों व छोटे द्वीपों के लिए चेतावनी है, क्योंकि इससे उनके अशितत्व पर ही प्रश्नचिन्ह लग रहा है। सामान्यतः समुद्र का उपयोग जलमार्ग के रूप में किया जाता है। इससे इसके किनारों पर बंदरगाह का विकास होता है तथा स्थानीय शहरों का विकास व रोजगार का सृजन भी होता है।

परन्तु समुद्र तल में उत्तरोत्तर बढ़ोतरी होती रही तो छोटे द्वीप व समुद्र सीमा पर बसे व्यावसायिक शहर जलमग्न हो सकते हैं। इसके फलस्वरूप एक बड़ी आबादी का पलायन, कृषि उत्पादन में कमी, स्वस्च्छ जल उपलब्धता का संकट एवं मानव स्वास्थ्य पर प्रतिकूल प्रभाव इसकी भयावहता को प्रकट करती है। प्राकृतिक संसाधनों का अत्यधिक दोहन तथा अनुचित मानवीय क्रियाकलापों से पर्यावरण को अपूर्णीय क्षति पहुंच रही है इसके अनेक उदाहरण हमारे सामने हैं परन्तु भविष्य की कल्पना कर हम इसे संरक्षित व और अधिक लाभकारी बनाने का प्रयास कर सकते हैं।

वर्तमान में शहरी क्षेत्रों में ठोस अपशिष्ट की समस्या बहुत विकराल रूप ले चुकी है तथा इसमें अधिकतम प्रतिशत घरेलु व व्यवसायिक संस्थानों से निकला प्लास्टिक अपशिष्ट है जो कि नॉन-बायोडिग्रेडेबल होता है जो अनेक तरह के पर्यावरणीय प्रदूषणों का कारक होता है । जन सामान्य को पॉलीथिन अपशिष्ट से पर्यावरण पर पड़ने वाले दीर्घकालिक दुष्प्रभाव के बारे में जानकारी प्रदान करने के उद्देश्य से तथा पॉलीथीन के सीमित या उपयोग न करने के बारे में औद्योगिक इकाइयों द्वारा भी विभिन्न प्रकार के प्रदूषकों का उत्सर्जन होता है जिसका दीर्घकालिक प्रभाव होता है जाती है।

भीषण बाढ़ व तूफान : जब अधिक गर्मी बढ़ेगी तो हिमालय एवं अन्य बर्फीले क्षत्रां की बर्फ पिघलेगी और समुद्र में जल की मात्रा अधिक हो जाएगी तथा भीषण बाढ़ के साथ तूफानों के आने की संभावना भी है।ओजोन परत का नाश करने में सबसे बड़ा योगदान हम मनुष्यो का ही है! हम अपनी रोज मर्रा की जरूरते पूरी करने के लिए कुछ ऐसे उपकरणों का उपयोग करते है जो की बहुत ही हानिकारक गैसे क्लोरो फ्लोरो कार्बन (ब्थ्ब) यौगिक हैलोजन्स तथा नाइट्रस ऑक्साइड उत्पन्न करती हैए इस ज्ञान से ओजोन परत क्षति औद्योगिक प्रदूषण, सामाजिक चेतना के अभाव आदि कई-कई घटकों पर प्रभावी नियंत्रण से प्राकृतिक संतुलन की पुनर्स्थापना की जा सकती है।

पर्यावरण की रक्षा के लिए ओजोन परत क्षय एक गंभीर, है। समय रहते संभलना जरूरी है। संयुक्त राष्ट्र पर्यावरण कार्यक्रम (यूएनईपी) और विश्व मौसम विज्ञान संगठन (डब्ल्यूएमओ) ने पृथ्वी की ओजोन परत को हुए नुकसान को उजागर करने में अहम भूमिका निभाई है। मॉन्ट्रियल प्रोटोकल के नाम से हुई संधि के परिणामस्वरूप दुनिया भर की सरकारें उन रसायनों का उपयोग खत्म कर रही हैं, जिनसे ओजोन परत का क्षय हुआ है। उनकी जगह सुरक्षित विकल्प अपनाए जा रहे हैं।

शांति नहीं तो क्रांति से आता है लोकतंत्र

डॉ. घनश्याम बादल

आज दुनिया में कई तरह की शासन प्रणालियां है जिनमें तानाशाही से लेकर राजवंश और व्यक्ति या विचारधारा केंद्रित शासन भी शामिल है लेकिन दुनिया की सर्वोत्तम शासन शैली का नाम है लोकतंत्र। लोकतंत्र एक ऐसी शासन शैली है, जिसमें जनता की इच्छा सर्वोपरि होती है। यह "जनता के द्वारा, जनता के लिए, जनता के शासन" की अवधारणा है।

लोकतंत्र की सबसे बड़ी खासियत यह है कि यह हर व्यक्ति को अभिव्यक्ति का अधिकार और शासन में भागीदारी का अवसर देता है और उन्हें भरोसा दिलाता है कि सत्ता किसी एक व्यक्ति या वर्ग की बपौती नहीं है।

जब जब किसी खास वर्ग या शासक ने लोकतंत्र में मनमानी करने की हिमाकत की है तो उसका पतन हुआ है। जन आकांक्षाओं की पूर्ति के बजाय अपने स्वार्थ की पूर्ति में लगे हुए शासक को जनता माफ नहीं करती और उखाड़ फेंकती है। यदि चुनाव के माध्यम से ऐसा नहीं होता तो फिर क्रांति के माध्यम से यह किया जाता है जैसा कि अभी हमने श्रीलंका बांग्लादेश और नेपाल में देखा।

लोकतंत्र के आविर्भाव से पहले दुनिया भर में अलग-अलग रंगों रूपों की राजशाही का राज था जिसमें सब कुछ केवल और केवल राजा या राजवंश की इच्छा के अनुसार ही होता था. उससे त्रश्त होकर ही लोकतंत्र अशित्तव में आया।

जहां राजतंत्र ऑटोक्रेसी यानी एक तंत्रवादी होता है, वहीं लोकतंत्र नागरिकों को अभिव्यक्ति, संगठन और विरोध का अधिकार देता है। लोकतांत्रिक शासन में व्यक्ति की गरिमा, समानता और न्याय का सर्वोच्च स्थान है। लोकतांत्रिक शासन व्यवस्था में जाति, धर्म, लिंग या नस्ल से परे सबको समान अवसर मिलते हैं और शासक वर्ग जनता के प्रति जवाबदेह होता है जिससे भ्रष्टाचार पर नियंत्रण संभव होता है। विभिन्न विचारों, मतों और समूहों के बीच संतुलन बनाना ही लोकतंत्र की असली शक्ति है।

जब लोकतंत्र के आविर्भाव की बात आती है तो भारत को भी लोकतंत्र का संस्थापक माना जाता है लेकिन ऐतिहासिक तथ्य बताते हैं कि लोकतंत्र की जड़ें प्राचीन ग्रीस में पाई गईं जहाँ एथेंस नगर-राज्य में प्रत्यक्ष लोकतंत्र की अवधारणा विकसित हुई थी। भारत में भी वैदिक कालीन सभाओं, सभा और समिति – को प्रारंभिक लोकतांत्रिक संस्थाओं का रूप माना जाता है। आधुनिक लोकतंत्र का विकास यूरोप में पुनर्जागरण, सुधार आंदोलन और औद्योगिक क्रांति के बाद हुआ। अमेरिका का स्वतंत्रता संग्राम और फ्रांस की क्रांति ने लोकतंत्र की विश्वव्यापी नींव रखी, यानी लोकतंत्र क्रांति के माध्यम से भी आता है और शांति के माध्यम से भी। कोई भी शासन व्यवस्था लंबे समय तक तभी टिक सकती है जब उसमें कुछ खास गुण हों। यदि लोकतंत्र लंबे समय से टिका हुआ है और आगे बढ़ रहा है तो इसके पीछे लोकतंत्र के गुण ही हैं।

लोकतंत्र का सबसे बड़ा गुण है जनसहभागिता। लोकतंत्र में नीतियाँ जनमत पर आधारित होती हैं और यह संवाद और समझौते के माध्यम से संघर्ष का समाधान करता है। लोकतांत्रिक शासन में नीतियाँ अधिक स्वीकार्य होती हैं जिससे स्थिरता और दीर्घकालिक विकास संभव होता है। लोकतंत्र नागरिकों को अधिकार तो देता ही है, साथ ही कर्तव्यों के निर्वहन की अपेक्षा भी करता है।

भले ही लोकतंत्र में कितने भी गुण क्यों न हों हो इसकी कुछ सीमाएं एवं कमियां भी हैं. लोकतंत्र का प्रमुख अवगुण है पापुलरिज्म यानी लोकप्रियतावाद। अल्पकालिक लाभ के लिए राजनीतिक दल लोकलुभावन नीतियाँ अपनाते हैं जिससे दीर्घकालिक आर्थिक क्षति होती है। वोटो के लिए समाज का ध्रुवीकरण करना और जातीय, धार्मिक या भाषाई आधार पर वोट माँगना भी लोकतंत्र को कमजोर करता है।

चुनावी राजनीति में धनबल और बाहुबल का बढ़ता प्रभाव लोकतंत्र को दूषित कर देता है। संक्षेप में कहें तो भ्रष्टाचार लोकतंत्र की जड़ों में लगा हुआ वह घुन है जो इसे अंदर ही अंदर खा जाता है. इसकी दूसरी कमजोरी है आम सहमति का अभाव होना. लोकतंत्र में सहमति बनाने की लंबी प्रक्रिया से नीतियाँ लागू करने में देर होती है। आज के डिजिटल युग में गलत सूचना जनमत को आसानी से भटका सकती है जिसका उदाहरण हालिया वर्षों में विभिन्न देशों में हुई जैन क्रांतियां हैं ।

पिछले एक दशक में कई देशों में लोकतंत्र के लिए संघर्ष हुए हैं, जिन्होंने दुनिया का ध्यान खींचा है जिनमें अरब स्प्रिंग (2010-2012) ट्यूनीशिया, मिस्र, लीबिया, यमन में जनता ने तानाशाही शासन के खिलाफ विद्रोह किया तो हांगकांग आंदोलन (2019) में नागरिकों ने स्वतंत्रता और स्वायत्तता की रक्षा के लिए संघर्ष किया। वहीं म्यांमार (2021) में सैन्य तख्तापलट के बाद लोकतंत्र समर्थक आंदोलन हुए लेकिन वहां की लोकतांत्रिक नेता शू आन ची लंबे समय तक या तो जेल में रही या उन्हें घर में ही नज़रबंद करके रखा गया। ईरान और रूस में भी विरोध नागरिकों ने राजनीतिक स्वतंत्रता और अधिकारों की माँग को लेकर आवाज़ उठाई। और अभी पिछले 5 वर्षों में ही श्रीलंका, बांग्लादेश एवं अभी हाल में नेपाल में हुई क्रांतियां में भी लोकतंत्र का अलग ही चेहरा देखने को मिला। वहीं पाकिस्तान जैसे देशों में लोकतंत्र का छद्म चेहरा भी सबके सामने है।

भले ही लोकतंत्र में कितनी ही कमजोरियां क्यों न हों लेकिन लोकतंत्र की चाह वैश्विक है और जब भी जनता को दमन का सामना करना पड़ता है, वे सड़कों पर उतरने से नहीं हिचकिचाती।

कई बार लोकतंत्र के भविष्य पर भी सवाल उठते हैं. सच बात तो यह है कि लोकतंत्र का भविष्य इस बात पर निर्भर करेगा कि यह किस प्रकार अपनी कमियों को दूर करता है। केवल परंपरागत लोकतंत्र अपनाने से कुछ नहीं होगा बल्कि डिजिटल लोकतंत्र, ई-गवर्नेंस और पारदर्शी ऑनलाइन मतदान से लोकतंत्र और मजबूत होगा। नागरिकों में राजनीतिक साक्षरता बढ़ाने से वे जिम्मेदार मतदान कर पाएँगे।

न्यायपालिका और मीडिया की स्वतंत्रता बहुत मायने रखती है. यदि यह दोनों श्तंभ निष्पक्ष होकर स्वतंत्र तरीके से कार्य करें तो लोकतंत्र के प्रहरी बने रहेंगे लेकिन पक्षपात पूर्ण तरीके से किया गया न्याय या फिर सूचनाओं का प्रसारण लोकतंत्र के लिए बहुत हानिकारक भी है।

युवा शक्ति की भागीदारी व उसे निर्णय-प्रक्रिया में शामिल करना लोकतंत्र को अधिक ऊर्जावान बनाएगा। लोकतंत्र की सफलता केवल संविधान या चुनाव पर नहीं बल्कि जनसहभागिता, जवाबदेही और पारदर्शिता पर निर्भर करती है। हमें इसकी कमजोरियों को दूर करके लोकतांत्रिक संस्थाओं को सशक्त करना होगा और निश्चित करना होगा कि लोकतंत्र वाश्तव में नागरिकों की आकांक्षाओं को पूरा करे।

स्वामी, मुद्रक व प्रकाशक श्रीमती आशा शर्मा द्वारा 707 मंदाकिनी टावर सेक्टर -4, वैशाली गाजियाबाद (उत्तर प्रदेश) भारत से प्रकाशित एवं एन.सी.आर. प्रिंटर्स, 15/19 साइट-4, साहिबाबाद इंडस्ट्रीयल एरिया जनपद गाजियाबाद से मुद्रित। **संपादक** : संजय शर्मा
फोन: 9899683800 वेबसाइट : www.khabariya.com **ई-मेल:** todayncr@gmail.com >> ncrtoday@hotmail.com **RNI-**UPHIN/2009/30721

संक्षिप्त समाचार

उमस से बढ़ी बीमारियां, वायरल के मरीजों की भरमार, मेडिकल इमरजेंसी में बढ़ाया गया स्टाफ

मेरठ। मेरठ में बारिश थमने के बाद उमस और चुभन भरी गर्मी ने लोगों की सेहत बिगाड़ दी है। बदलते मौसम के चलते वायरल बुखार, खांसी, सांस की तकलीफ और त्वचा रोग जैसी बीमारियां तेजी से फैल रही हैं। फिजिशियन डॉ. तनुराज सिरोही का कहना है कि नमी की वजह से बैक्टीरिया और वायरस का असर बढ़ रहा है। मेडिकल कॉलेज में मरीजों की संख्या लगातार बढ़ रही है। विभागाध्यक्ष डॉ. अरविंद कुमार ने बताया कि डॉक्टरों को 24 घंटे ड्यूटी करनी पड़ रही है। वहीं, फिजिशियन डॉ. वीके बिंद्रा का कहना है कि उच्च आर्द्रता शरीर के तापमान को नियंत्रित करने में बाधा डालती है, जिससे डिहाइड्रेशन और हीट स्ट्रोक का खतरा बढ़ जाता है। प्रमुख चिकित्सा अधीक्षक डॉ. धीरज राज ने मरीजों की बढ़ती भीड़ को देखते हुए 20 नर्सिंग स्टाफ को इमरजेंसी में तैनात किया है। सर्जरी वार्ड में कुछ बेड मेडिसिन मरीजों के लिए आरक्षित किए गए हैं ताकि एक बेड पर दो मरीज भर्ती न हों। इसी बीच छात्र नेता विनीत चपराना ने बेड बढ़ाने की मांग को लेकर जिलाधिकारी को पत्र लिखा था। जवाब में प्राचार्य डॉ. आरसी गुप्ता ने बताया कि अगले साल तक मेडिकल कॉलेज में 250 नए बेड जुड़ जाएंगे—100 बेड क्रिटिकल केयर में, 100 बेड ट्रॉमा सेंटर में और 50 बेड इमरजेंसी में। इससे मरीजों की सुविधा और इलाज की व्यवस्था मजबूत होगी।

जौनपुर में भीषण हादसा: छत्तीसगढ़ के दर्शनार्थियों से भरी बस ट्रेलर से टकराई

जौनपुर, एजेंसी। जौनपुर जिले के लाइन बाजार थाना क्षेत्र के सीहीपुर में रविवार की रात भीषण सड़क हादसा हुआ। श्रद्धालुओं से भरी बस ट्रेलर से टकरा गई। हादसे में अब तक चार श्रद्धालुओं की मौत हो गई है। जबकि नौ लोग गंभीर रूप से घायल हो गए हैं। सभी श्रद्धालु छत्तीसगढ़ के निवासी हैं। छत्तीसगढ़ से 50 श्रद्धालुओं से भरी बस अयोध्या गई थी। अयोध्या दर्शन करने के बाद सभी श्रद्धालु वाराणसी श्री काशी विश्वनाथ के दर्शन के लिए जा रहे थे। भोर में करीब तीन बजे बस लाइन बाजार थाना क्षेत्र के सीहीपुर में पहुंची थी। जहां ट्रेलर को ओवरटेक करने के चक्कर में बस टकरा गई। हादसा इतना भीषण था कि टक्कर के बाद मौके पर चीख- पुकार मच गई। सूचना पर पहुंची पुलिस ने एंबुलेंस से सभी श्रद्धालुओं को जिला अस्पताल पहुंचाया। जहां चिकित्सकों ने चार श्रद्धालुओं को मृत घोषित कर दिया। जबकि अन्य श्रद्धालुओं का इलाज जारी है। सुधा मंडल निवासी पीवी- 18 थाना गोंडा जिला कांकेर, लखन दास निवासी पीवी- 18 थाना गोंडा जिला कांकेर, वीरेंद्र मंडल निवासी पीवी-3 थाना गोंडा हूर जिला कांकेर, सोमेश साहू निवासी ढाबा जिला राजनाथ गांव छत्तीसगढ़ सहित छह श्रद्धालु गंभीर रूप से घायल हो गए। एसपी जौनपुर डॉक्टर कौस्तुभ के मुताबिक हादसे में चार श्रद्धालुओं की मौत हुई है। सभी छत्तीसगढ़ के रहने वाले हैं। जबकि नौ लोग घायल हैं। जिनका इलाज किया जा रहा है। मामले की छानबीन की जा रही है।

बाघ ने युवक को मार डाला: पहले झपटा... फिर गन्ने के खेत में घसीट ले गया; एक घंटे तक नोचा मांस

बहराइच, एजेंसी। यूपी के बहराइच में रविवार देर रात कतर्नियाघाट वन्यजीव प्रभाग में बाघ ने युवक पर हमला कर उसकी जान ले ली। घटना से घर में चीख पुकार मच गई। सुरक्षा को लेकर गांव वालों में दहशत का माहौल है। ग्रामीणों ने घटना की जानकारी सुजौली वन रेंज कार्यालय को दी है। घटना धर्मापुर वन रेंज के हरखापुर गांव के मजरा तिरमुहानी की है। गांव निवासी बाबूलाल का बेटा इंदल (28) देर रात खेत की रखवाली और नित्यक्रिया के लिए गांव किनारे बहने वाले नाले के उस पार गया था। इसी समय झाड़ियों में छिपे बाघ ने अचानक उस पर हमला कर दिया। बाघ से जूझ रहे इंदल ने जान बचाने के लिए शोर मचाया। लेकिन, जब तक ग्रामीण दौड़कर पहुंचते बाघ उसे गन्ने के खेत में घसीट ले गया था। गांववाले हिम्मत दिखाते हुए हाका लगाकर बाघ को भगाने में जुटे। करीब एक घंटे बाद ग्रामीणों को सफलता मिली। बाघ तो भाग गया, लेकिन इंदल का क्षत-विक्षत शव मिला। वन क्षेत्राधिकारी रोहित कुमार ने बताया कि बाघ के हमले से युवक की मौत हुई है। गांव दुर्गम इलाके में स्थित है। वहां टीम पहुंचाने का प्रयास किया जा रहा है।

चुनाव से पहले सरकार, संगठन और संघ में समन्वय बनाएगी भारतीय जनता पार्टी

लखनऊ, एजेंसी। पंचायत चुनाव से पहले सरकार, संगठन और संघ के बीच आपसी समनव्य को मजबूत करने की कवायद शुरू कर दी गई है। इसके तहत रविवार को राजधानी में भाजपा और संघ की पूर्वी क्षेत्र की समन्वय बैठक में सरकार, संगठन और संघ के बीच समन्वय के साथ ही शिक्षा और सामाजिक समूह से जुड़े मुद्दों पर चर्चा हुई। बैठक में तीनों के बीच बेहतर समन्वय बनाने के लिए भाजपा के तीन नेताओं को जिम्मेदारी दी गई है।

इनमें मुख्यमंत्री के स्तर वाले मामलों में समन्वय का काम प्रदेश महामंत्री (संगठन) धर्मपाल सिंह देखेंगे, जबकि मंत्रियों के स्तर वालों मामलों की जिम्मेदारी प्रदेश महामंत्री अमरपाल मौर्या को दी गई है। वहीं, भाजपा संगठन से संबंधित मामलों की जिम्मेदारी किसान मोर्चा के प्रदेश अध्यक्ष कामेश्वर सिंह को दी गई है।

ये तीनों पदाधिकारी संघ से जुड़े प्रकरणों को अपने-अपने स्तर से सरकार और भाजपा संगठन तक पहुंचाएंगे और उसका समाधान कराएंगे। बैठक में समाज, छात्रों और शिक्षकों के बीच पैठ बनाने को लेकर सरकार, संगठन और संघ से मिलकर काम करने की सहमति बनी है। बता दें कि जोधपुर में हुई संघ के राष्ट्रीय समन्वय बैठक के बाद अब अलग-अलग क्षेत्रीय समन्वय बैठकें हो रही हैं। इसी कड़ी में पूर्वी क्षेत्र की तीन दिवसीय बैठक राजधानी के निराला नगर स्थित संघ भवन में शुरू हुई। पहले दिन सामाजिक समूह और शिक्षा समूह की अलग-अलग बैठक हुई।

बैठक में हुई इन मुद्दों पर चर्चा

बैठक में पहले दिन सामाजिक समूह और शिक्षा समूह की बैठक हुई। सामादिक समूह की बैठक में जहां सरकार, संगठन और संगठन के बीत मजबूत समन्वय से मिलकर काम करने पर सहमति बनी। वहीं, शिक्षा समूह की बैठक में विश्वविद्यालयों और कालेजों के वर्तमान परिदृश्य और इनमें अपनी पैठ बढ़ाने पर चर्चा हुई। बैठक में तय हुआ कि शिक्षण संस्थानों में बेहतर माहौल के लिए संघ और भाजपा मिलकर काम करने पर चर्चा हुई। संघ-भाजपा मिलकर छात्रों और शिक्षकों के बीच पैठ बनाने के लिए भी काम करेंगे।

दरअसल पिछले दिनों बाराबंकी के शिक्षण संस्थान और अखिल भारतीय विद्यार्थी परिषद से जुड़े छात्रों के बीच हुए विवाद को सुलझाने में संघ और भाजपा संगठन ने अहम भूमिका निभाई थी। बैठक में ऐसे प्रकरणों को सुलझाने को लेकर भी चर्चा हुई और तय किया गया आगे से ऐसी नौबत से बचने के लिए छात्रों और शिक्षकों के बीच बेहतर पैठ बनाने पर काम किया जाएगा। बैठक में प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी के जन्मदिन 17 सितंबर से राष्ट्रपिता महात्मा गांधी एवं पूर्व प्रधानमंत्री लाल बहादुर शास्त्री की जयंती दो अक्टूबर तक चलने वाले सेवा पखवाड़े को बेहतर ढंग से संचालन पर चर्चा हुई।

इसमें कई सामाजिक गतिविधियां होंगी। इनके जरिए समाज के हर वर्ग के बीच जाने की कोशिश होगी। इससे विचारधारा का विस्तार होगा। साथ ही नए लोगों को साथ जोड़ने में मदद मिलेगी। बैठक में आरएसएस के क्षेत्रीय प्रचार प्रमुख कृपा शंकर, क्षेत्र प्रचारक अनिल कुमार, प्रांत प्रचारक कौशल, भाजपा के प्रदेश अध्यक्ष भूपेन्द्र चौधरी, प्रदेश महामंत्री संगठन धर्मपाल सिंह के अलावा क्षेत्रीय अध्यक्ष भी मौजूद थे।

लापरवाही पड़ी स्वच्छता सुपरवाइज़र को भारी-वेतन रोका

02 सुपरवाइज़र, 01 स्वच्छता निरीक्षक-12 सफाई कर्मचारियों पर हुई कार्यवाई

✷ एनसीआर टुडे. अलीगढ़ ✷

शहर की सफाई व्यवस्था को ओर अधिक प्रभावी एवं सुदृढ़ बनाने के उद्देश्य से नगर आयुक्त प्रेम प्रकाश मीणा ने आज क्वार्सी चौराहे से सर्किट हाउस होते हुए महेशपुर जीवनगढ़ नाले से आगे धोर्रा पुलिया तक का औचक निरीक्षण किया। इस दौरान उन्होंने क्षेत्र की सफाई व्यवस्था, कूड़ा निश्तारण, सफाई कर्मचारियों की उपस्थिति एवं ड्रेस की स्थिति का जायज़ा लिया।

निरीक्षण के दौरान नगर आयुक्त ने देखा कि प्रमुख मार्ग पर जगह-जगह कूड़ा एकत्रित है, सफाई कर्मचारी नियमित वर्दी में उपस्थित नहीं थे और कई क्षेत्रों में घर-घर से कचरा संग्रहण नहीं किया जा रहा था। इस पर कड़ी नाराजगी व्यक्त करते हुए नगर आयुक्त ने स्वच्छता निरीक्षक के0के0 सिंह को स्पष्ट चेतावनी दी कि यदि 48 घंटे के भीतर सड़क को पूर्ण रूप से कचरा मुक्त कर दुकानों पर दो-दो कूड़ेदान उपलब्ध नहीं कराए जाते और घर-घर से शत-प्रतिशत कूड़ा संग्रहण सुनिश्चित नहीं किया जाता तो कार्यालय अटैच करते हुए शासन श्तर पर उनके विरुद्ध निलंबन की कार्यवाही की जाएगी।

वार्ड 61 में तैनात सफाई कर्मचारियों की उपस्थिति का भौतिक सत्यापन भी किया गया। नगर आयुक्त ने मौके पर 12 कर्मचारियों को अनुपस्थित पाते हुए उनके वेतन रोकने और नोटिस जारी करने के निर्देश दिए।

निरीक्षण में नगर आयुक्त ने सफ़ाई व्यवस्था में लापरवाही व गैर हाज़रि रहने पर सचिन सुपरवाइज़र को मूल पद पर भेजने, सफ़ाई कार्य में लापरवाही बरतने पर सुपरवाइज़र संदीप का वेतन रोकने के साथ साथ संबंधित स्वच्छता निरीक्षक को चेतावनी जारी की है। नगर आयुक्त ने स्पष्ट किया कि ड्यूटी से गायब रहने वालों के विरुद्ध कड़ी कार्यवाही की जाएगी।

नगर आयुक्त ने कहा शहर की स्वच्छता में लापरवाही किसी भी दशा में बर्दाश्त नहीं की जाएगी। अगले 48 घंटों में इस पूरे मार्ग को पूर्ण रूप से स्वच्छ एवं अतिक्रमण मुक्त बनाने के ठोस कदम उठाए जाएंगे। निरीक्षण के दौरान नगर आयुक्त के साथ स्टेनो देश दीपक एवं मीडिया सहायक अहसान रब भी मौजूद रहे।

वार्ड नगर चार के वाशिन्दों को मिल रहा दूषित पेयजल

अलीगढ़। जिले के नगर निगम क्षेत्र के वार्ड नं 4 के निवासियों के लिए रोजमर्रा का जीवन दूभर हो गया है क्योंकि उनके घरों तक पहुँचने वाला पानी गंदा और प्रदूषित हो गया है। इस पानी का इश्तेमाल पीने, नहाने, कपड़े धोने और अन्य दैनिक जरूरतों के लिए करना लगभग असंभव हो गया है। स्थानीय निवासी बाबू ने बताया कि पानी में गंदगी और बदबू के कारण वे स्वास्थ्य संबंधी परेशानियों का भी सामना कर रहे हैं।

वहीं विशाल देशभक्त ने बताया कि पानी की इस समस्या ने लोगों की जिंदगी प्रभावित कर दी है। कई परिवारों को बोतल बंद साफ पानी खरीदना पड़ता है, जिससे उनकी आर्थिक स्थिति पर भी दबाव बढ़ गया है। महिला एवं बच्चे सबसे ज्यादा प्रभावित हैं क्योंकि उन्हें घर के सारे काम इस जल के साथ करना होता है।स्थानीय पाषर्द को कई बार इस समस्या की सूचना दी गई, लेकिन अभी तक कोई स्थायी समाधान नहीं निकला है।

सीएम का जनता दर्शन: रायबरेली से पहुंचे मरीजों को तुरंत भर्ती कराने के दिए निर्देश, बच्चों को दुलारा

लखनऊ, एजेंसी। मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने सोमवार को जनता दर्शन किया। इस दौरान प्रदेश भर से आये हर पीड़ित के पास पहुंचे, शिकायतें सुनीं और समाधान का आश्वासन दिया। जनता दर्शन में 50 से अधिक लोग अपनी फरियाद लेकर पहुंचे। रायबरेली से आये किडनी व हर्ट के मरीज को सीएम योगी आदित्यनाथ ने मेडिकल कॉलेज में भर्ती कराने के निर्देश दिए।

किडनी, हृदय के मरीज को मेडिकल कॉलेज में भर्ती कराने के निर्देश : जनता दर्शन में रायबरेली के थाना खीरो के ग्राम बरवलिया के एक युवक भी पहुंचे। उन्होंने मुख्यमंत्री को प्रार्थना पत्र देते हुए बताया कि उनके पिता किडनी-हृदय व यूरिन की बीमारी से पीड़ित हैं। प्राइवेट अस्पताल में इलाज कराने में अब आर्थिक दिक्कत आ रही है। इस पर मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने तत्काल उन्हें मेडिकल कॉलेज में भर्ती कराने का निर्देश दिया। मुख्यमंत्री ने इलाज के लिए अस्पताल से एस्टीमेट भी मंगवाने को कहा।

हर जरूरतमंद को इलाज में निरंतर आर्थिक सहायता उपलब्ध करा रही है सरकार : जनता दर्शन में इलाज के लिए आर्थिक सहायता के लिए कई फरियादियों ने प्रार्थना पत्र दिया। इस पर मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने सभी से कहा कि सरकार हर जरूरतमंद मरीज को इलाज के लिए आर्थिक सहायता उपलब्ध करा रही है। आप भी अस्पताल से एस्टिमेट बनवाकर भिजवाएं। आपके इलाज के खर्च की चिंता सरकार करेगी। सरकार विगत 8 वर्ष से हर जरूरतमंद को निरंतर आर्थिक सहायता उपलब्ध करा रही है।

नन्हे-मुन्नों को भी दुलारा, दी चॉकलेट : जनता दर्शन में कई फरियादियों के साथ बच्चे भी आए, जिन्हें मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने दुलार भी किया। नन्हे-मुन्नों के सिर पर हाथ फेर अपनत्व का अहसास कराया। सीएम योगी ने सभी बच्चों को चॉकलेट-टॉफी भी प्रदान की।

सीटों के चक्कर में सपा कांग्रेस में दो-चार... दावेदारों के बीच अभी से रार, 2027 के चुनाव में रहेगा गठबंधन

कानपुर, एजेंसी। साल 2024 के लोकसभा चुनाव में प्रदेश में 43 सीटों (सपा-37, कांग्रेस 6) पर मिली जीत को आधार बनाकर सपा और कांग्रेस 2027 के विधानसभा चुनाव की तैयारी में लगी है।

बताया जा रहा है कि कुछ समय पहले लखनऊ में हुई सपा की बैठक में पार्टी के राष्ट्रीय अध्यक्ष अखिलेश यादव ने भी महानगर में सिर्फ दो सीट इंडिया गठबंधन को देने की बात कही थी। हालांकि कांग्रेस चार सीट चाहती है लेकिन कांग्रेसी शहर की सात में तीन सीटों पर ज्यादा सक्रिय दिखाई दे रहे हैं।

पूर्व विधायक अजय कपूर के भाजपा में शामिल हो जाने के बाद किदवईनगर सीट अब कांग्रेस के बाकी दावेदारों के लिए खाली हो चुकी है। गोविंदनगर भी ऐसी सीट है जहां पर दावेदारों के बीच अभी से रार होने लगी है।

पिछले दिनों जब कांग्रेस महानगर अध्यक्ष पवन गुप्ता की ओर से मंडल अध्यक्षों का मनोनयन किया जा रहा था तब किदवईनगर और गोविंदनगर क्षेत्र को लेकर सबसे ज्यादा आपस में एक दूसरे की टांग खिंचाई की गई थी।

मामला प्रदेश अध्यक्ष अजय राय तक तक पहुंच गया था। पता चला है कि जो कांग्रेसी अभी तक कल्याणपुर से दावेदारी कर रहे थे वे अब गोविंदनगर का रुख कर रहे हैं।

वर्ष 2022 के विधानसभा चुनाव की बात करें तो कांग्रेस और सपा ने तब अलग-अलग चुनाव लड़ा था। इस बार दावेदार दोनों पार्टियों के प्रत्याशी पिछले चुनाव में मिले वोट को आधार बनाकर अपनी तैयारी कर रहे हैं क्योंकि कल्याणपुर में सपा ने भाजपा को अच्छी टक्कर दी थी। इस वजह से वहां पर कांग्रेस के बजाय सपा को फिर से तरजीह देने की तैयारी है।

महाराजपुर विधानसभा क्षेत्र की बात करें तो अभी पूरी तरह से स्थिति साफ नहीं है कि यह सीट किसके खाते में जाएगी लेकिन कांग्रेस ने पूरा जोर लगा रखा है। कैंट, आर्यनगर, सीसामऊ में सपा के विधायक हैं इसलिए उस पर किसी तरह की कोई चर्चा नहीं है।

कांग्रेस और सपा में 2027 के चुनाव में गठबंधन रहेगा। पार्टी महानगर की सात विधानसभा सीटों से कम से कम चार सीटों पर चुनाव लड़ने की तैयारी कर रही है। इससे कम में समझौता नहीं करेंगे। यह अपील पार्टी के प्रदेश अध्यक्ष से भी की जा रही है।

राज्यपाल ने कहा- अपनी मेधा और शिक्षा के माध्यम से देश को आगे बढ़ाएं छात्र, भारत को ताजमहल की तरह चमकाएं

प्रयागराज, एजेंसी। प्रो.राजेंद्र सिंह (रज्जू भइया) राज्य विश्वविद्यालय में आयोजित दीक्षांत समारोह में मेधावियों को पदक और उपाधियां प्रदान की गईं। समारोह की अध्यक्षता राज्यपाल व कुलाधिपति आनंदी बेन पटेल ने की। यूपीपीएससी के चेयरमैन संजय श्रीनेत बतौर मुख्य अतिथि मौजूद रहे। राज्यपाल आनंदी बेन ने कहा कि छात्र-छात्राएं अपनी शिक्षा और मेधा के माध्यम से देश को आगे बढ़ाने का प्रयास करें। हमें दूसरा ताज महल नहीं बनाना है। भारत देश को ताजमहल की तरह पूरी दुनिया में चमकाना है।

राज्य विवि में समारोह की शुरुआत सोमवार सुबह 10:30 बजे हुई कार्यक्रम में कुल 92,109 विद्यार्थियों (स्नातक-52037, परास्नातक-21312 एवं व्यावसायिक-18760) को उपाधियां प्रदान की गईं। स्नातक/परास्नातक स्तर के विभिन्न पाठ्यक्रमों में सर्वोच्च अंक प्राप्त करने वाले कुल 187 विद्यार्थियों को 55 स्वर्ण, 65 रजत पदक एवं 66 कांस्य पदक दिया गया। इसमें 67.54 फीसदी छात्राएं और 32.46 फीसदी छात्र शामिल हैं। स्वाति सिंह को कुलाधिपति स्वर्ण पदक प्रदान किया गया।

प्रो. राजेंद्र सिंह रज्जू भइया राज्य विश्वविद्यालय में आयोजित आठवें दीक्षांत समारोह में मेधावियों को राज्यपाल आनंदी बेन पटेल ने उपाधियां और मेडल प्रदान किया।

प्रो. राजेंद्र सिंह रज्जू भैया राज्य विश्वविद्यालय में राज्यपाल आनंदी बेन पटेल से उपाधियां और मेडल प्राप्त कर मेधावी छात्र काफी उत्साहित दिखे। कार्य में यूपी के कैबिनेट मंत्री नंद गोपाल गुप्ता नंदी भी मौजूद रहे।

बुखार की दहशत...24 घंटे में दो लोगों की मौत, फैल रहा मलेरिया और डेंगू

मैनपुरी, एजेंसी। मैनपुरी में बुखार के साथ ही डायरिया के मरीजों की संख्या भी तेजी के साथ बढ़ रही है। पिछले 24 घंटे में डायरिया और बुखार से पीड़ित दो मरीजों ने दम तोड़ दिया। वहीं 46 मरीजों को गंभीर हालत में भर्ती कराया गया। तीन मरीजों को गंभीर हालत में जिला अस्पताल से मेडिकल कॉलेज सैफई के लिए रेफर किया गया।

महाराजा तेज सिंह जिला अस्पताल की इमरजेंसी में रविवार को सुबह से ही मरीजों की भीड़ रही। इमरजेंसी में बुखार, डायरिया और सांस लेने में दिक्कत के चलते 46 मरीज भर्ती कराए गए। कोतवाली थाना क्षेत्र के गांव मोहनपुर निवासी अशोक कुमार (41) पुत्र रामदुलारे को पिछले कुछ दिनों से बुखार आ रहा था। परिजन उनका एक निजी डॉक्टर के यहां उपचार करा रहे थे। हालत बिगड़ने पर परिजन उन्हें लेकर जिला अस्पताल पहुंचे यहां डॉक्टरों ने उन्हें मृत घोषित कर दिया।

भोगांव के गांव नरैनीपुर निवासी राजनश्री (51) पत्नी जहान सिंह को शनिवार की शाम पेटदर्द और उल्टी होने पर जिला अस्पताल में भर्ती कराया गया था। यहां उपचार के दौरान रविवार को उनकी मौत हो गई। सीएमएस डॉ. संजय कुमार गुप्ता का कहना था कि राजनश्री को गंभीर हालत में ही भर्ती कराया गया था। वहीं अशोक को मृत अवस्था में ही अस्पताल लाया गया था।

डेंगू के मरीज मिलने के बाद राजपुरा में स्वास्थ्य विभाग ने डाला डेरा

मैनपुरी के बिछ्वां क्षेत्र के गांव राजपुरा के रहने वाले दो मरीजों की रिपोर्ट डेंगू पाजिटिव आने के बाद स्वास्थ्य विभाग अलर्ट हो गया। सीएमओ डॉ. आरसी गुप्ता के निर्देश पर रविवार को गांव में स्वास्थ्य विभाग की दो टीमें पहुंचीं। एक टीम ने शिविर लगाकर मरीजों को उपचर दिया तो दूसरी टीम ने घर-घर जाकर डेंगू के लार्वा की जांच की। लोगों को मच्छरों से बचाव के लिए भी प्रेरित किया गया।

गांव में पहुंची टीम : सीएचसी कुचेला प्रभारी डॉ. सिद्धार्थ और सीएमओ कार्यालय से डॉ. अमित राजपूत के नेतृत्व में दो टीमें रविवार सुबह गांव पहुंची। यहां चिकित्सकीय टीमों ने शिविर लगाकर विभिन्न बीमारियों के 60 मरीजों को इलाज दिया। इनमें बुखार से पीड़ित 21 रोगियों के रक्त नमूने लेकर डेंगू, मलेरिया और टाइफाइड की जांच के लिए जिला अस्पताल भिजवाए हैं। टीमों ने गांव में घर-घर जाकर सोर्स रिडक्शन कर कूलर, खाली बर्तनों में भरे पानी को फैलाया। एंटी लार्वा का छिड़काव कर लोगों को संचारी रोगों के प्रति जागरूक किया।

टीम में ये चिकित्सक हैं शामिल : इस मौके पर डॉ. विवेक यादव, डॉ. अंबुज मिश्रा, लक्ष्मी भदौरिया, प्रतिभा, आशीष, सत्येंद्र, जितेंद्र, अरविंद, अमित, रवि पालीवाल आदि स्वास्थ्य कर्मी मौजूद रहे।

कथावाचकों पर मौलाना शहाबुद्दीन का बड़ा बयान, कहा- मुस्लिमों के घरों में झांकने की कोशिश न करें

बरेली, एजेंसी। ऑल इंडिया मुस्लिम जमात के राष्ट्रीय अध्यक्ष मौलाना शहाबुद्दीन रजवी बरेलवी ने कथावाचकों के भाषण पर एतराज जताया है। उन्होंने कहा कि आजकल कथावाचक मुसलमानों और मुस्लिम महिलाओं पर कुछ न कुछ आपत्तिजनक बातें कहते हैं, जिनका जवाब देना जरूरी है। मौलाना ने कहा कि कथावाचक अपने धर्म का प्रचार-प्रसार करें, इसका उनको अधिकार हासिल है। मगर कथावाचकों यह हक हासिल नहीं है कि मुसलमानों या मुस्लिम महिलाओं पर आपत्ति जताएं। मुस्लिम समाज के घरों में झांकने की कोशिश न करें। मौलाना ने कहा कि इस्लाम में महिलाओं को बड़ा सम्मान दिया है। कुरान शरीफ में महिलाओं के अधिकारों को लेकर पूरी एक सूरत मौजूद है। इस्लाम ने महिलाओं को सम्मान देते हुए कहा कि मां के पैरों तले जन्नत है। पैगंबर ए इस्लाम ने मर्दों से कहा कि अपनी बीवियों के साथ हुस्न ए सुलूक यानी अच्छे व्यवहार के साथ पेश आओ। मौलाना ने कथावाचकों को कटघरे मे खड़ा करते हुए कहा कि आप अपने समाज के हितों और समाज के अंदर फैल रही बुराइयों के खिलाफ सुधार की बात नहीं करते, बल्कि मुस्लिम समाज की महिलाओं और उनकी शादी विवाह की बातें करते हैं।

अगस्त महीने के सर्वश्रेष्ठ खिलाड़ी चुने गए मोहम्मद सिराज

दुबई (एजेंसी)। भारत के तेज गेंदबाज मोहम्मद सिराज को इंग्लैंड के खिलाफ पांचवें और अंतिम टेस्ट में शानदार प्रदर्शन के लिए सोमवार को अगस्त महीने का आईसीसी का सर्वश्रेष्ठ खिलाड़ी चुना गया। आयरलैंड की महिला खिलाड़ी ओर्ला प्रेंडरगैस्ट को भी सिराज के साथ महीने का सर्वश्रेष्ठ खिलाड़ी चुना गया। सिराज ने इंग्लैंड के खिलाफ ओवल में खेले गए पांचवें टेस्ट मैच के अंतिम दिन शानदार प्रदर्शन किया जिससे भारत ने यह मैच छह रन से जीत कर श्रृंखला बराबर कराई। इस भारतीय तेज गेंदबाज ने कहा, 'आईसीसी का महीने का सर्वश्रेष्ठ खिलाड़ी चुना जाना मेरे लिए विशेष सम्मान की बात है। एंडरसन-तेंदुलकर ट्रॉफी एक यादगार श्रृंखला थी और यह उन सबसे रोमांचक मुकाबलों में से एक थी जिनका मैं हिस्सा रहा हूं। सिराज ने कहा, 'मुझे गर्व है कि मैं कुछ महत्वपूर्ण स्पैल में योगदान दे सका, खासकर निर्णायक क्षणों में। शीर्ष बल्लेबाजी क्रम के खिलाफ उनकी घरेलू परिस्थितियों में गेंदबाजी करना चुनौतीपूर्ण था, लेकिन इसने मुझे अपना सर्वश्रेष्ठ प्रदर्शन करने के लिए प्रेरित किया।

वर्ल्ड बॉक्सिंग चैंपियनशिप

मीनाक्षी और जैस्मिन ने गोल्ड जीते

जैस्मिन लंबोरिया
गोल्ड मेडल
कैटेगरी
विमेंस 57 किलोग्राम
किसे हराया
जूलिया स्जेरेमेटा (पोलैंड)
स्कोर : 4-1

मीनाक्षी
गोल्ड मेडल
कैटेगरी
विमेंस 48 किलोग्राम
किसे हराया
नजिम काईजीबे (कजाकिस्तान)
स्कोर : 4-1

नईदिल्ली (एजेंसी)। भारतीय खेल प्रेमियों के लिए दिन की पहली खुशखबरी अंग्रेजों के देश से आई, जब लिवरपूल में चल रही वर्ल्ड बॉक्सिंग चैंपियनशिप में भारत की दो बेटियो ने गोल्ड मेडल जीते। पहला मेडल शनिवार-रविवार की दरमियानी रात में आया। जैस्मिन लंबोरिया ने 57 किलोग्राम वेट कैटेगरी में पेरिस ओलिंपिक की सिल्वर मेडलिस्ट पोलैंड की जूलिया स्जेरेमेटा को 4-1 से मात दी। फिर करीब शाम 4 बजे मीनाक्षी ने 48केजी वेट कैटेगरी के फाइनल मुकाबले में 3 बार की विश्व विजेता कजाकिस्तान की नजिम काईजीबे को 4-1 से मात की। भारत ने विदेशी सरजमीं पर महिला वर्ग में अपना सर्वश्रेष्ठ प्रदर्शन करते हुए 4 मेडल अपने नाम किए। इस जीत के लिए प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने मुक्केबाज बेटियों को बधाई दी।

- **सर्वेश कुशारे हाई जंप के फाइनल में पहुंचने वाले भारतीय** – शाम होते-होते टोक्यों में चल रही वर्ल्ड एथलेटिक्स चैंपियनशिप से एक और अच्छी खबर आई। 30 साल के सर्वेश कुशारे 2.25 मीटर की छलांग लगाकर हाई जंप इवेंट के फाइनल में पहुंच गए। वे वर्ल्ड चैंपियनशिप में इस इवेंट के फाइनल में पहुंचने वाले पहले भारतीय बने हैं ।कुशारे का व्यक्तिगत सर्वश्रेष्ठ प्रदर्शन 2.27 मीटर है और यह उन्होंने 2022 में दर्ज किया था। उनका सत्र का सर्वश्रेष्ठ प्रदर्शन 2.26 मीटर है। उन्होंने 2023 एशियाई चैंपियनशिप में रजत पदक जीता।

टॉस के वक्त ही तय हो गई थी भारत की जीत

पाकिस्तान ने कीं 3 बड़ी गलतियां, टीम इंडिया का पाक पर जीत का सिक्सर

दुबई (एजेंसी)। 2011 वर्ल्ड कप सेमीफाइनल में भारत से हारने के बाद एक दुखी पाकिस्तानी फैन ने यह जुमला दिया था। रविवार को दुबई में भारत के खिलाफ एशिया कप के मुकाबले में पाकिस्तान की टीम ने इसे फिर सही साबित कर दिया। पाकिस्तान ने इस मुकाबले में 3 बड़ी गलतियां कीं और शानदार फॉर्म में चल रही टीम इंडिया ने तीनों का बखूबी फायदा उठाया। इनमें से एक गलती तो मैच की पहली गेंद फेंके जाने से भी पहले हो गई थी और संभवतः उसी वक्त पाकिस्तान की हार भी तय हो गई।पाकिस्तान की तीनों गलतियों को विस्तार से जानेंगे, उससे पहले बतौर भारतीय फैन गर्व करने लायक एक रिकॉर्ड जान लीजिए। यह इंटरनेशनल क्रिकेट में पाकिस्तान के खिलाफ भारत की लगातार छठी जीत है।

- **पहली गलती : जहां 18 में से 16 मैच चेजिंग टीम ने जीते वहां पहले बैटिंग चुनी** – दुबई इंटरनेशनल क्रिकेट ग्राउंड की पिच पर टारगेट का पीछा करने वाली टीम को बहुत ज्यादा फायदा मिलता है। पिछले 5 साल में दुनिया की टॉप-12 टीमों के बीच यहां खेले गए पिछले 18 टी-20 इंटरनेशनल मैचों में से 16 में टारगेट चेज करने वाली टीम ने जीत हासिल की थी। पाकिस्तान की टीम पिछले 13 साल में भारत को सिर्फ दो टी-20 मैच हरा पाई थी। दोनों जीत भी इसी ग्राउंड पर दूसरी पारी में बैटिंग करते हुए मिली थीं। इसके बावजूद पाकिस्तान के कप्तान सलमान अली आगा ने टॉस जीतकर पहले बैटिंग करने का फैसला कर लिया। इरफान पठान, अजय अडेजा, संजय मांजरेकर जैसे कमेंटेटर्स ने सलमान के इस फैसले पर हैरानी जताई।
- **दूसरी गलती : टॉप विकेट टेकर हारिस रउफ को प्लेइंग-11 से बाहर रखा** – पाकिस्तान के एशिया कप स्क्वॉड में भारत के खिलाफ सबसे ज्यादा सात विकेट तेज गेंदबाज हारिस रउफ के नाम था। इसके बावजूद पाकिस्तानी थिंक टैंक ने अपने सबसे बड़े प्रतिद्वंद्वी के सामने अपने सबसे कामयाब गेंदबाज को प्लेइंग-11 से बाहर कर दिया। शाहीन शाह अफरीदी शुरुआत में ही पिट गए और दूसरे छोर से कोई दमदार फास्ट बॉलर न होने का खामियाजा पूरी टीम ने भुगता।

सूर्या ने जीत भारतीय सेना को समर्पित की, 'भारत माता' की नारे से गूंजा स्टेडियम

दुबई (एजेंसी)। एशिया कप में पाकिस्तान को हराने के बाद भारतीय कप्तान सूर्यकुमार यादव ने जीत भारतीय सेना को समर्पित कर दी। सूर्या और टीम इंडिया का मैसेज साफ था कि यह जीत देश के जवानों को सम्मान देने के लिए है। पहलगाम आतंकी हमले और उसके बाद चलाए गए ऑपरेशन सिंदूर के बाद पहली बार भारत और पाकिस्तान की क्रिकेट टीमें आमने-सामने थी।

खास बात यह रही कि मैच जीतने के बाद भारतीय खिलाड़ियों ने पाकिस्तानी प्लेयर्स से हाथ नहीं मिलाया। इससे पहले टॉस के वक्त भी सूर्या ने [illegible] कप्तान सलमान अली आगा से हाथ नहीं मिलाया था। अंतरराष्ट्रीय क्रिकेट में टॉस के वक्त और मैच के बाद प्रतिद्वंद्वी खिलाड़ियों का हाथ-मिलाना कर्टसी माना जाता है। मतलब एक-दूसरे के लिए सम्मानजनक व्यवहार। भारतीय टीम ने संदेश दे दिया कि एशिया कप में खेलना इस टूर्नामेंट के लिए उसका कमिटमेंट है, लेकिन पाकिस्तानी खिलाड़ियों से कर्टसी निभाने का उनका कोई इरादा नहीं है ।भारत ने खेल में भी कोई कर्टसी नहीं दिखाई और एकतरफा अंदाज में पाकिस्तान को हराया।

सूर्या ने कहा- हम पहलगाम हमले के पीड़ित परिवारों के साथ – रविवार की सूर्यकुमार यादव का 35वां जन्मदिन था और स्टेडियम में फैंस ने उन्हें बधाई दी। मैच के बाद प्रेस कॉन्फ्रेंस में होस्ट संजय मांजरेकर ने उनके लिए हैप्पी बर्थ-डे सॉन्ग भी गाया। सूर्या ने शुक्रिया अदा करते हुए कहा यह जीत भारत को रिटर्न गिफ्ट है ।प्रजेंटेशन के अंत में सूर्या ने कहा, हम पहलगाम आतंकी हमले के पीड़ित परिवारों के साथ खड़े हैं। हम अपनी एकजुटता दिखाते हैं और आज की जीत इंडियन आर्म्ड फोर्स को डेडिकेट करते हैं।

सूर्या ने पाक खिलाड़ियों से हाथ नहीं मिलाया

टीम इंडिया ड्रेसिंग रूम गई, दरवाजा बंद कर लिया; अब पीसीबी ने रेफरी हटाने की मांग की

दुबई (एजेंसी)। भारत ने रविवार को दुबई में खेले गए एशिया कप मुकाबले में पाकिस्तान को सात विकेट से हरा दिया। इस मैच में टॉस के दौरान या जीत के बाद किसी भारतीय खिलाड़ी ने पाकिस्तानी खिलाड़ी से हाथ नहीं मिलाया। इससे निराश पाकिस्तान कप्तान सलमान आगा मैच के बाद प्रेजेंटेशन सेरेमनी में ही शामिल नहीं हुए। अब [illegible] ने मैच रेफरी को टूर्नामेंट से हटाने की मांग की है।पाकिस्तानी खिलाड़ियों से हाथ ना मिलाने के सवाल पर भारतीय कप्तान सूर्यकुमार यादव ने कहा, एशिया कप के मामले में बीसीसीआई और सरकार का रुख साफ है। इसी के तहत बतौर टीम मैनेजमेंट हमने फैसला लिया। वहीं, पाकिस्तानी हेड कोच माइक हेसन ने कहा, हमारी टीम मैच के बाद हाथ मिलाने का इंतजार कर रही थी, लेकिन बाद में पता चला कि भारत ने उन्हें नजरअंदाज कर दिया है।

पीसीबी ने शिकायत की

पाकिस्तान क्रिकेट बोर्ड (पीसीबी) ने मैच के कुछ घंटे बाद एक बयान में कहा, हमारे टीम मैनेजर नवीद अकरम चीमा ने मैच रेफरी एंडी पाइक्रॉफ्ट के सामने औपचारिक विरोध दर्ज कराया, क्योंकि उन्होंने कप्तानों से टॉस के दौरान हाथ न मिलाने का अनुरोध किया था। फिलहाल मैच रेफरी पाइक्रॉफ्ट की ओर से कोई बयान नहीं आया है। इस शिकायत के कुछ घंटे बाद पाकिस्तान क्रिकेट बोर्ड (पीसीबी) ने पैंतरा बदला। पीसीबी ने एशियन क्रिकेट काउंसिल से रेफरी की ही शिकायत कर डाली। उसने एसीसी से मैच रेफरी को बदलने की मांग की है।

हम यहां सिर्फ मैच खेलने आए थे- सूर्या

इसी साल अप्रैल में जम्मू-कश्मीर के पहलगाम में हुए आतंकी हमले के बाद पहली बार दोनों टीमें आमने-सामने थीं। पाकिस्तान ने टॉस जीतकर पहले बल्लेबाजी करते हुए 20 ओवर में 127 रन बनाए। भारत ने लक्ष्य का पीछा करते हुए 15.5 ओवर में 131 रन बनाकर जीत हासिल की। सूर्या ने छक्के के साथ टीम को जीत दिलाई। सूर्या ने यह जीत भारतीय सेना को समर्पित की, जो मई में ऑपरेशन सिंदूर में शामिल थे।

आईपीएल के बाद पाटीदार ने जीता दलीप ट्रॉफी का खिताब

11 साल बाद सेंट्रल जोन बनीं चैंपियन

नईदिल्ली (एजेंसी)। रजत पाटीदार की अगुवाई वाले सेंट्रल जोन ने लगभग 11 साल के लंबे इंतजार के बाद साउथ जोन को छह विकेट से हराकर खिताब अपने नाम किया। कप्तान पाटीदार और यश राठौड़ ने शानदार प्रदर्शन करते हुए शतक लगाया। चौथे दिन आंद्रे सिद्धार्थ और अंकित शर्मा की आक्रामक वापसी के बावजूद साउथ जोन ने 65 रनों का एक आसान लक्ष्य रखा जिसे सेंट्रल जोन ने पांचवें दिन पहले ही सत्र में हासिल कर लिया। दलीप ट्रॉफी के खिताबी मुकाबला में पहले दिन बेंगलुरु के बीसीसीआई सेंटर ऑफ एक्सीलेंस ग्राउंड पर पाटीदार ने टॉस जीतकर पहले गेंदबाजी करने का फैसला किया। सारांश जैन ने पांच विकेट और कुमार कार्तिकेय ने चार विकेट लेकर साउथ जोन को पहले दिन 149 रनों पर समेट दिया। जवाब में पाटीदार ने अच्छी स्ट्राइक रेट से 101 रन बनाएं। उन्होंने 115 गेंदों पर 101 रन की अपनी पारी में 12 चौके और दो छक्के लगाए। राठौड़ अपने दोहरे शतक से चूक गए। उन्होंने 286 गेंदों पर 17 चौकों और दो छक्कों की मदद से 194 रन बनाए। सलामी बल्लेबाज दानिश मालेवार और सारांश के अर्धशतकों की बदौलत सेंट्रल जोन को 511 रन का विशाल स्कोर खड़ा करने में मदद की और 362 रनों की विशाल बढ़त हासिल की। ??गुरजपनीत और अंकित ने कड़ी मेहनत से चार-चार विकेट लिए। दूसरी पारी में साउथ जोन ने जोरदार संघर्ष किया। शीर्ष आठ बल्लेबाजों में से प्रत्येक ने दोहरे अंक में स्कोर किया। स्मरण रविचंद्रन ने 118 गेंदों पर 67 रन बनाए। लेकिन साउथ जोन का कोई भी बल्लेबाज शतक नहीं बना सका। उनका स्कोर 222/6 था और ऐसा लग रहा था कि वे एक पारी से हार जाएंगे। लेकिन आंद्रे और अंकित ने सातवें विकेट के लिए 192 रनों की साझेदारी करके इस क्रम को समाप्त किया। आंद्रे 84 रन बनाकर नाबाद रहे जबकि अंकित 99 रन बनाकर आउट हुए और अपने शतक से चूक गए। कार्तिकेय और सारांश ने मिलकर सात विकेट लिए और दक्षिण क्षेत्र की दूसरी पारी 426 रनों पर समाप्त हुई।

कम स्कोर का बचाव करते हुए अंकित ने मालेवार का विकेट जल्दी हासिल किया। गुरजपनीत ने नौवें ओवर में शुभम शर्मा और सारांश को आउट करके दो विकेट लिए। पाटीदार रन चेज पूरा नहीं कर सके और 13 रन के स्कोर पर अंकित की गेंद पर अपना विकेट गंवा बैठे। वाडकर और राठौड़ ने सुनिश्चित किया कि आगे कोई चूक न हो और सेंट्रल जोन को छह विकेट से जीत दिलाई।

सेंट्रल जोन का लंबा इंतजार खत्म

सेंट्रल जोन ने आखिरी बार 2014 में दलीप ट्रॉफी जीती थी जब पीयूष चावला कप्तान थे। एक दशक से भी ज्यादा समय पहले उन्होंने विजय कुमार की कप्तानी वाली साउथ जोन को हराया था, जिसमें रॉबिन उथप्पा, केएल राहुल, दिनेश कार्तिक, हनुमा विहारी और प्रज्ञान ओझा जैसे खिलाड़ी शामिल थे। कुल मिलाकर यह सेंट्रल जोन का छठा दलीप ट्रॉफी खिताब है।

पाटीदार का कमाल

कप्तान के रूप में पाटीदार की यह बड़ी टूर्नामेंट जीत है। तीन महीने पहले उन्होंने रॉयल चैलेंजर्स बेंगलुरु (आरसीबी) का इंडियन प्रीमियर लीग (आईपीएल) खिताब जीतने का इंतजार खत्म किया था।

पाकिस्तानी कोच हेसन ने भारत से हार की वजह बताई

दुबई (एजेंसी)। पाकिस्तान के मुख्य कोच माइक हेसन ने कहा है कि एशिया कप मैच में भारत के खिलाफ खराब शुरूआत और बीच के ओवरों में भारतीय गेंदबाजों द्वारा रनगति पर अंकुश लगाया जाना उनकी टीम की बड़ी हार का प्रमुख कारण रहा। पहले बल्लेबाजी करते हुए पाकिस्तान ने 8 गेंद में दो विकेट गंवा दिए और उस झटके से उबर नहीं सके। पाकिस्तानी टीम 9 विकेट पर 127 रन ही बना सकी जो भारत ने 16 ओवरों में हासिल कर लिया।

हेसन ने कहा, 'बल्लेबाजी में हमारी शुरूआत बहुत खराब रही। हम उस तरह से बल्लेबाजी नहीं कर सके जैसी करनी चाहिए थी। बीच के ओवरों में इससे मध्यक्रम के बल्लेबाजों पर काफी दबाव बन गया। उन्होंने कहा, 'जितने ज्यादा बड़े मैच खेलेंगे, उतना ही आत्मविश्वास बढ़ेगा। हमारे पास कुछ खिलाड़ी हैं जो अपने पैर जमा रहे हैं और हम आने वाले दिनों में मजबूती से वापसी करेंगे।

धीमी विकेट पर टॉस जीतकर बल्लेबाजी के फैसले का बचाव करते हुए उन्होंने कहा, 'निकट अतीत में नहीं लेकिन दीर्घकालिन अतीत में देखें तो यह सही फैसला था। पिछले 6 मैचों में बल्कि पूरी त्रिकोणीय श्रृंखला में लक्ष्य का पीछा करने वाली टीम जीती है।

हेसन ने कहा, 'पहले की तरह अब ओस नहीं थी लिहाजा वह मसला नहीं है। ये पिचें धीमी हैं और इस पर अच्छा स्कोर बनाना चाहिए था जो हम नहीं कर सके।

आज एशिया कप में बंगलादेश के खिलाफ सुपर चार में जगह पक्की करने उतरेगा अफगानिस्तान

अबू धाबी (एजेंसी)। एशिया कप में बंगलादेश की टीम को टूर्नामेंट में बने रहने के लिए मंगलवार को होने वाले अफगानिस्तान के खिलाफ मैच को हर-हाल में जीतना होगा। वहीं अफगानिस्तान सुपर चार में जगह पक्की करने मैदान में उतरेगा। बंगलादेश के खिलाफ अफगानिस्तान का पलड़ा भारी रहा है। अब तक दोनों टीमों के बीच 12 टी-20 अंतरराष्ट्रीय मुकाबले खेले गए हैं।

इस दौरान पांच में बांग्लादेश को जीत मिली है। सात मुकाबले अफगानिस्तान ने जीत हैं। दोनों टीमों के बीच खेले गए आखिरी पांच मैचों की बात की जाये तो अफगानिस्तान ने तीन मैच जीते हैं और बंगलादेश को दो में सफलता मिली है। बंगलादेश को एशिया कप के अपने पिछले मैच में श्रीलंका के खिलाफ हार का सामना करना पड़ा है। उसे हार की निराशा से बाहर निकलकर जायेद क्रिकेट स्टेडियम में कल अफगानिस्तान के खिलाफ होने वाले मुकाबले में जीत के लिए पूरी ताकत झोकनी होगी।

बल्लेबाजी की बात की जाये तो टूर्नामेंट में बंगलादेश का शीर्ष क्रम बिल्कुल भी नहीं चल पा रहा है। दोनों सलामी बल्लेबाजों ने मिलकर दो मैचों में केवल 33 रन जोड़े हैं। कप्तान लिटन दास एक बेहतरीन खिलाड़ी है उन्हें स्वयं को पूरी तरह से झोंककर लय बनाते हुए थोड़ा साहस दिखाना होगा और जरूरत पड़ने पर लंबी पारी खेलनी होगी। तौहीद हृदय और महेदी हसन को उनका साथ देना होगा तथा जैकर अली और शमीम हुसैन जैसे बल्लेबाजो को निचले क्रम में मजबूती से बल्लेबाजी करनी होगी।

दूसरी ओर, अफगानिस्तान कहीं अधिक आत्मविश्वास से भरी टीम दिख रही है। राशिद खान की टीम ने अपने पिछले मैच में हांगकांग को 94 रनों से हराया था और वे इन परिस्थितियों में लगातार जीत रहे हैं। उन्होंने अपने पिछले आठ मैचों में से छह जीते हैं और ऐसा लगता है कि वह खाड़ी में खेलने में मजा ले रहे है। हांगकांग के खिलाफ सिदिकुल्लाह अटल की 73 रनों की पारी ने उनकी बल्लेबाजी में मजबूती दिखाई, जबकि अजमतुल्लाह उमरजई और मोहम्मद नबी मध्यक्रम में जरूरत पड़ने पर अपनी लय बदल सकते है।

राशिद और करीम जनत को इसमें शामिल कर लें, तो उनके पास ऐसे खिलाड़ी हैं जो बंगलादेश के गेंदबाजों की लेंथ बिगड़ सकते हैं। वहीं अगर गेंदबाजी की बात की जाये तो अफगानिस्तान के पास विविधता और आत्मविश्वास है। फजलहक फारूकी और ओमरजई नई गेंद से अहम ओवरों में योगदान दे सकते हैं और राशिद की स्पिन बेहतर रही है। अगर नूर अहमद या एएम गजनफर सही गेंदबाजी करते हैं, तो वे बीच के ओवरों में विपक्षी टीम को धूल चटा सकते हैं। बंगलादेश को अफगानिस्तान को हराने के लिए बल्ले से अनुशासन और गेंद से सटीकता की जरूरत होगी, क्योंकि अफगानिस्तान के पास लय और स्थिरता है।

संभावित प्लेइंग 11

बंगलादेश – लिटन दास (कप्तान और विकेटकीपर), परवेज हुसैन इमोन, तंजीद हसन तमीम, तौहीद हृदोय, जेकर अली, शमीम हुसैन, महेदी हसन, रिशाद हुसैन, तंजीम हसन साकिब, शोरफुल इस्लाम और मुस्तफिजुर रहमान

अफगानिस्तान – राशिद खान (कप्तान), रहमानुल्लाह गुरबाज (विकेटकीपर), सेदिकुल्लाह अटल, इब्राहिम जादरान, गुलबदीन नाइब, अजमतुल्लाह ओमरजई, मोहम्मद नबी, करीम जनत, नूर अहमद, एएम गजनफर और फजलहक फारूकी।